संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 104
पृष्ठ 8
बुधवार
01 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– बच्चों के टिफिन में रखें....

विचार– भावनात्मक अतिरेक का....

खेल– इस साल नहीं चला....

भारत की संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले कर रहे दुष्प्रचार : योगी

प्रयागराज, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ में प्रत्येक तीर्थयात्री और पर्यटक की सुरक्षा और सुविधा को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बताया है। उन्होंने कहा है कि महाकुम्भ में कोई भारतीय हो या विदेशी, प्रवासी भारतीय हो या प्रयागराजवासी, बिना भेदभाव सबकी सुरक्षा–सबकी सुविधा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुम्भ के दौरान आपदा प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, अग्निशमन, घाट सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा तंत्र को और पुख्ता किया जाना आवश्यक है। सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को 24×7 एक्टिव रहना होगा। इंटेलिजेंस को और मजबूत करने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ के दौरान एंटी ड्रोन सिस्टम के प्रभावी इस्तेमाल के निर्देश भी दिए हैं। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ की थीम पर चल रहीं फर्जी वेवसाइट और एप के चिन्हांकन और कार्रवाई के साथ साथ आमजन को इस बारे में जागरूक करने की जरूरत बताई है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कतिपय अराजक संगठनों/व्यक्तियों द्वारा महाकुम्भ के नाम पर फर्जीवाड़ा कर वसूली करने का दुस्साहस किया जा रहा है, पुलिस द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए। मंगलवार को महाकुम्भ की तैयारियों की समीक्षा करने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने एक–एक कर सभी विभागों से उनके कार्यों की प्रगति का विवरण लिया। मुख्यमंत्री ने सभी स्ट्रीट वेंडर, ऑटो रिक्शा चालकों, ई–रिक्शा चालकों के पुलिस सत्यापन तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिये, साथ ही प्रयागराज की ओर आने वाले सभी अंतर्जनपदीय मार्गों पर ट्रैफिक प्रबंधन के व्यवस्थित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया, डिजिटल मीडिया पर फेक न्यूज पर कड़ाई से लगाम लगाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से चिढ़ने वाले लोग महाकुम्भ को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, उन्हें यथोचित जवाब दिया जाना चाहिए। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने मुख्यमंत्री को बताया कि सभी पूजनीय अखाड़ों, महामंडलेश्वर, खालसा, दंडीबाड़ा, खाकचौक एवं अन्य संस्थाओं को भूमि आवंटन का कार्य पूर्ण हो गया है, जबकि प्रयागवाल व अन्य नई संस्थाओं को आवंटन का कार्य जारी है। सभी की आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर संतुष्टि जताते हुए कहा कि पूजनीय अखाड़ों, साधु–संतों की भावनाओं का यथोचित सम्मान किया जाना चाहिए। मेला प्रबंधन से जुड़े अधिकारी संतों से सतत–संपर्क–संवाद बनाये रखें। मुख्यमंत्री ने अगले तीन दिन में अरैल क्षेत्र में नया स्नान घाट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा करीब 550 शटल बसें महाकुम्भ में चलाई जानी हैं, इन्हें 05 जनवरी से क्रियाशील कर दिया जाए। किसी चालक/परिचालक को लगातार 08 घंटे से अधिक की ड्यूटी न दी जाए। इसके अलावा, दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के आवागमन के लिए अतिरिक्त प्रबंध भी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी 06 प्रमुख स्नान पर्वों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी, इस संबंध में सभी प्रबंध कर लिए जाएं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि महाकुम्भ के लिए तैनात पूरा पुलिस बल और सभी सफाई कर्मचारी 03 जनवरी तक प्रयागराज में मुस्तैद हो जाएंगे।

HAPPY NEW YEAR 2025

सभी नगर वासियों को

नव वर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं

संस्थापित: 2001 संस्थापक: स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक/संयम/संस्कार/संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238 I, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज-211002

Mobile No.: 9450482227, 9005239332
E-mail: shaharsamta@gmail.com / Website: www-shaharsamta-com

HAPPY NEW YEAR 2025

मार्कशीट में विषय का पूरा नाम न होने पर हाथ से फिसली नौकरी, 45 चयनितों की नियुक्ति फंसी, आयोग को लिखा पत्र

प्रयागराज। एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती–2018 की द्वितीय अवशेष श्रेष्ठता सूची में अंग्रेजी विषय के चयनित अभ्यर्थियों की स्नातक की मार्कशीट में विषय का पूरा नाम अंकित न होने के कारण 45 की नियुक्ति फंस गई है। मार्कशीट में विषय का नाम अंग्रेजी साहित्य होना चाहिए था, लेकिन इन अभ्यर्थियों की मार्कशीट में केवल अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने जुलाई 2023 में अंग्रेजी विषय में 79 चयनित अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन किया था। इसके बाद आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को नियुक्ति की संस्तुति की थी। डेढ़ साल बाद अब नियुक्ति के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि 45 अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया है। दरअसल, राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक के लिए स्नातक में अंग्रेजी साहित्य विषय की अर्हता निर्धारित है। कई विश्वविद्यालय मार्कशीट में अंग्रेजी साहित्य की जगह केवल अंग्रेजी विषय लिखते हैं और इसी वजह से इन अभ्यर्थियों की नियुक्तियां फंस गई हैं। इन्होंने स्नातक में अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई तो की लेकिन उनकी मार्कशीट में अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है। ऑनलाइन विद्यालय आवंटन के दौरान आवेदन करने पर इन अभ्यर्थियों के नाम प्रदर्शित नहीं हो हो रहे हैं। जो 45 अभ्यर्थी नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर हो गए हैं, उनमें 27 पुरुष व 18 महिला अभ्यर्थी हैं। महिला अभ्यर्थी प्रिया श्रीवास्तव व ज्योतिका मिश्रा ने आयोग के सचिव को प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि कॉलेज फिलिंग पोर्टल पर रोल नंबर डालने पर 'कैंडिडेट डज नॉट एग्जिस्ट' बता रहा है। हालांकि, प्रिया व ज्योतिका ने अभिलेख सत्यापन के दौरान डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की ओर से जारी वह प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत किया था, जिसमें विश्वविद्यालय ने यह प्रमाणित किया है कि बीए में अंग्रेजी व अंग्रेजी साहित्य विषय एक ही है और प्रिया व ज्योतिका ने अंग्रेजी साहित्य विषय की पढ़ाई की है। प्रिया ने सचिव को लिखे पत्र में बताया है कि वह अब माध्यमिक शिक्षा विभाग व आयोग के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन कहीं से भी उचित जवाब नहीं मिला है। इसी तरह महिला अभ्यर्थी तनु चौधरी ने भी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से जारी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है। इसमें विश्वविद्यालय ने प्रमाणित किया है कि तनु ने स्नातक में अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई की है और इस विषय के सभी हिस्सों जैसे, प्रोज, पोएट्री, फिक्शन, ड्रामा, मेजर लिटरेरी मूवमेंट, लिटरेरी फॉर्म्स का अध्ययन किया है। इसके बावजूद तनु ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि मार्कशीट में विषय के आगे केवल अंग्रेजी लिखा हुआ है। प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि जब विश्वविद्यालयों ने प्रमाणित कर दिया है कि इन्होंने अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई की है तो इन 45 अभ्यर्थियों की नियुक्तियां रोके जाने का कोई औचित्य नहीं है। आयोग को इनकी नियुक्ति की संस्तुति भी माध्यमिक शिक्षा विभाग को भेज देनी चाहिए। डेढ़ साल से ये अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। प्रतियोगी छात्र मोर्चा इन अभ्यर्थियों के हक की लड़ाई लड़ेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र का सत्यापन संबंधित जिले के डीएम के माध्यम से कराता है। प्रतियोगी छात्र मोर्चा के अध्यक्ष विक्की खान का कहना है कि डेढ़ साल पहले हुए अभिलेख सत्यापन के दौरान अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र सत्यापित कराने के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए थे, इनमें से 17 अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्र अब तक सत्यापित नहीं हुए हैं और उनकी नियुक्ति की फाइलें भी अटकी हुई हैं।

अखाड़ों–कल्पवासियों को मिलेगा रु0 5 किलो आटा, रु0 6 किलो चावल, रु018 किलो चीनी, 138 दुकानों पर विशेष इंतजाम

प्रयागराज। महाकुम्भ में योगी सरकार ने अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों के लिए बड़े पैमाने पर अन्न भंडार की व्यवस्था की है। ऐसा पहली बार है, जब महाकुम्भ में इतने बड़े पैमाने पर अखाड़ों, संस्थाओं और कल्पवासियों को नाम मात्र की कीमत पर राशन की सुविधा प्रदान की जा रही है। सीएम योगी के निर्देश पर अखाड़ों–संस्थाओं और कल्पवासियों को मात्र 5 रुपये में आटा और 6 रुपये में चावल उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था है। इसके लिए मेला क्षेत्र में 138 उचित मूल्य की दुकानों पर राशन उपलब्ध कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार महाकुम्भ को दिव्य, भव्य के साथ साथ नव्य रूप देने में लगे हैं। इसके लिए

उन्होंने अफसरों को सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। खासकर श्रद्धालुओं के भोजन के लिए इस बार विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने महाकुम्भ में आने वालों के लिए अन्न भंडार खोल दिया है। यहां मेला क्षेत्र में उचित मूल्य की 138 दुकानें खोली गई हैं, जहां पर कल्पवासियों के लिए एक लाख 20 हजार सफेद राशन कार्ड बनाने की व्यवस्था की गई है। इस बार कल्पवासियों, अखाड़ों और संस्थाओं को राशन के लिहाज से बेहद कम कीमत पर राशन उपलब्ध कराया जा रहा हैं। महाकुम्भ में अखाड़ों–कल्पवासियों को 5 रुपये प्रति किलो की दर से आटा और 6 रुपये प्रति किलो के हिसाब से चावल उपलब्ध कराया जाना है। इसके अलावा कल्पवासियों को 18 रुपये प्रति किलो की दर से चीनी भी उपलब्ध कराई जाएगी। अखाड़ों और संस्थाओं को 800 परमिट की व्यवस्था है। भोजन पकाने के लिए गैस कनेक्शन की भी सुविधा राशन देने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने भोजन पकाने के लिए भी सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इस काम के लिए सभी 25 सेक्टर्स में एजेंसियां निर्धारित की गई हैं। ये एजेंसियां कल्पवासियों, अखाड़ों और संस्थाओं को नया गैस कनेक्शन प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही उन्हें रिफिल करने का भी पूरा इंतजाम है। इसके अलावा जिन कल्पवासियों के पास अपना खुद का खाली गैस सिलेंडर है, उन्हें भी यहां पर रीफिल करा सकते हैं। तीन विशेष प्रकार के सिलेंडर भरने की व्यवस्था महाकुम्भ में की गई है। इनमें 5 किलो, 14.2 किलो और 19 किलो के सिलेंडर भरे जा सकेंगे। महाकुम्भ में अखाड़ों–कल्पवासियों और संस्थाओं को भोजन के लिए किसी प्रकार की समस्या न आने पाए, इस लिहाज से मेला क्षेत्र में 138 दुकानों पर विशेष इंतजाम किया गया है। साथ ही अन्न भंडार के पांच गोदाम भी तैयार किए गए हैं। इन गोदामों पर 6000 मीट्रिक टन आटा और 4000 मीट्रिक टन चावल और 2000 मीट्रिक टन चीनी भी रहेगी। मेला क्षेत्र में दी जा रही इस विशेष सुविधा के अंतर्गत हर कल्पवासी को 3 किलो आटा, 2 किलो चावल और एक किलो चीनी उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था है। जनवरी से फरवरी अंत तक राशन की यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही वन नेशन वन कार्ड की सुविधा भी प्राप्त होगी। 100 कुंतल सामान हर दुकान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रयागराज जंक्शन पर महिला यात्री का बैग चोरी

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एक महिला यात्री का बैग चोरी हो गया है। यात्री ने प्रयागराज जीआरपी में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्वालियर निवासी राधा अपनी बेटी संध्या के साथ ट्रेन संख्या 11108 बुंदेलखंड एक्सप्रेस से ग्वालियर लौटने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ट्रेन का इंतजार कर रही थीं। ट्रेन आने पर जैसे ही वे ट्रेन में बैठने के लिए उठीं, उन्होंने देखा कि उनका बैग पास में नहीं था। बैग में उनकी बेटी के इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रहे एक मामले के महत्वपूर्ण दस्तावेज और 1500 रुपये नकद रखे थे। इस घटना से न केवल पीड़िता बल्कि उनकी बेटी को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि चोरी हुए दस्तावेज उनके केस के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण थे। जीआरपी मामला दर्ज करके सीसीटीवी फुटेज से जांच कर रही है।

'नववर्षाभिनन्दन'

नई हवा है, नया वतन है ।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।

आगन्तुक सा यह जीवन है।
कली खिली सब खिला चमन है।।
मुखरित होता मन आँगन है।
सुखद लग रही हर चितवन है।।
रस से पूरित बही पवन है।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।१।।

कैसा सुंदर खिला सुमन है।
नभ में सजते सब उड़गन हैं।।
चाँद चाँदनी झिलमिल मन है।
दसों दिशाओं में सिहरन है।।
भरा हुआ तन भरे वसन हैं।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।२।।

शीतल जल अरु शीतल कल है।
शीत सनी दुनिया प्रतिपल है।।
हिम आकर अरु हिम–सा थल है।
गर्म वस्त्र सब हुए नवल है।।
जगमग पुलकित हुए नयन हैं।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।३।।

नए घरौंदे नई सड़क है।
नूतनता क्यूँ रही फड़क है?
अंग सजे सब रहे धड़क हैं।
सुंदरता की तड़क–भड़क है।।
हर्षित पुलकित हर आनन है।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।४।।

खुशियाँ मिलकर सभी मनाएँ।
पलभर जीवन नाचे गाएँ।।
मिला समय यह रीत न जाए।
सुरभित वन उपवन सब आएँ।।
यद्यपि पड़ती ओस कनन है।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।५।।

फूले खेत सजी हैं क्यारी।
मटर बनी है सबसे न्यारी।
पालक बथुआ गाय दुधारी।
सरसों गंध भली हितकारी।।
भौंरो की प्यारी गुंजन है।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।६।।

आओ हम सब निशा जगाएँ।
मध्य रात में दीप जलाएँ।।
बढ़ी ठंड को ठेंग दिखाएँ।
नए वर्ष का पर्व मनाएँ।।
करता मन सब आलिंगन है।
नये वर्ष का अभिनन्दन है ।।७।।

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान,
प्रयागराज–१६

आज आधी रात से लागू होगी नई समय सारिणी, कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का बदल रहा नंबर

प्रयागराज। यात्रीगण कृपया ध्यान न दें... एक जनवरी 2025 से भारतीय रेलवे ट्रेनों की समयसारिणी में बदलाव करने जा रहा है। 31 दिसंबर 2024 की रात्रि 12 बजे के बाद यह समयसारिणी लागू हो जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे की बात करें तो नई समय सारिणी में आगरा–बनारस वंदे भारत समेत कुल 15 ट्रेनों को शामिल किया जा रहा है। दूसरी ओर ओर कोरोना काल में जो ट्रेनें स्पेशल नंबर से चलाई गई थीं, उनका नंबर भी एक जनवरी से पुराना हो जाएगा। यह दो बड़े फैसले होने के चलते स्टेशनों पर लग रहे डिजिटल और साधारण बोर्ड में बदलाव होना तय है। रेलवे की पिछली समय सारिणी एक अक्तूबर 2023 से प्रभावी हुई थी। तब समय सारिणी में उसकी अवधि अक्तूबर 23 से जून 24 दर्शाई गई थी। इस हिसाब से एक जुलाई 24 को नई समय सारिणी लागू होनी थी, लेकिन वह छह माह की देरी से अब एक जनवरी 25 से लागू हो रही है। फिलहाल नई समय सारिणी में एनसीआर से गुजरने वाली कन्याकुमारी–बनारस, आगरा– बनारस, खजुराहो– निजामुद्दीन समेत 15 नई ट्रेनों को शामिल किया गया है। इसके अलावा शिवगंगा समेत दस जोड़ी ऐसी ट्रेनों को भी इसमें दर्शाया गया है, जिनका विस्तार रेलवे द्वारा किया गया है। समय सारिणी में एनसीआर द्वारा संचालित 86 और अन्य जोनल रेलवे की 104 पैसेंजर ट्रेनें जो एनसीआर के प्रयागराज, कानपुर, आगरा आदि स्टेशनों पर आती हैं, उनका नंबर बदल दिया गया है। प्रयागराज के सूबेदारगंज से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली जम्मू मेल का नंबर भी नई समय सारिणी में बदलने जा रहा है। चार जनवरी से इस ट्रेन का सूबेदारगंज से नंबर 20433 और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से 20434 रहेगा। जम्मू मेल समेत एनसीआर से गुजरने वाली कुल 18 मेल–एक्सप्रेस ट्रेनों के नंबर बदल रहे हैं। इसके अलावा समय सारिणी में एनसीआर जोन से गुजरने वाली 56 ट्रेनों के प्रायोगिक ठहराव वाले स्टेशनों का भी उल्लेख किया गया है। रात 8:50 की जगह 8रू30 बजे रवाना होगी सूबेदारगंज–देहरादून एक्सप्रेस एक जनवरी से उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज, आगरा और झांसी मंडल की 80 ट्रेनों के आगमन–प्रस्थान के समय में बदलाव होने जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत सूबेदारगंज से देहरादून जाने वाली 14113 देहरादून एक्सप्रेस अब रात 8रू50 की जगह रात 8रू30 बजे रवाना होगी। इसी तरह 22432 उधमपुर–सूबेदारगंज एक्सप्रेस अब यहां दोपहर 12रू50 की जगह 12:55 बजे पहुंचेगी। 12404–22404 लालगढ़–प्रयागराज एक्सप्रेस का यहां पहुंचने का समय सुबह 4रू45 की जगह 4:50 होने जा रहा है। इसी तरह कानपुर आने वाली छह, कानपुर अनवरगंज की दो, टूंडला की पांच, अलीगढ़ की पांच, खुर्जा की दो, दनकौर की दो, हाथरस किला की दो, हाथरस, फतेहपुर, मानिकपुर, मैनपुरी, फफूंद और इटावा आने वाली एक–एक ट्रेन के समय में बदलाव होने जा रहा है। इसी तरह झांसी मंडल के तमाम स्टेशनों की 17 और आगरा मंडल के स्टेशनों पर आने वाली 29 ट्रेनों के समय में एक जनवरी से बदलाव हो रहा है।

कानूनी शिकंजे में फंसे सियासी रसूखदारों ने हाईकोर्ट में टेके मत्थे, कई मामले रहे बेहद चर्चित

प्रयागराज। कानूनी शिकंजे में फंसे सियासी रसूखदारों को हाईकोर्ट में मत्था टेकना पड़ा। आचार संहिता के उल्लंघन में फंसे सपा मुखिया अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत कई नेताओं पर शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही पर कोर्ट ने रोक लगा दी। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित रहे मामलों पर पेश है सुनील यादव की एक रिपोर्ट...

1. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को एमपी एमएलए की विशेष अदालत से मिली तीन वर्ष की कैद और दस लाख रुपए जुर्माने की सजा स्थगित करते हुए जमानत दे दी।

2. 29 जुलाई को गाजीपुर के सांसद व माफिया मुख्तार के भाई अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता पर मंडरा रहा खतरा टल गया। कृष्णानंद हत्याकांड में गैंगस्टर के तहत दर्ज मुकदमे में मिली चार साल की सजा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रद्द कर दी।

3. 27 अप्रैल को पूर्व सांसद और बाहुबली धनंजय सिंह को अपहरण मामले में हाईकोर्ट ने जमानत दे दी। लेकिन ट्रायल कोर्ट से मिली सात साल की सजा बरकरार रखा, जिससे वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ सके।

4. सपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री मो. आजम खान को बेटे अब्दुल्ला के दो जन्म प्रमाण पत्र के फर्जीवाड़े से राहत मिली, लेकिन जौहर यूनिवर्सिटी में सफाई मशीन की चोरी और डूंगरपुर में भूमि हड़पने के मामले में हाईकोर्ट ने जमानत खारिज कर दी।

5. फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में मो. आजम खान के बेटे अब्दुल्ला और उनकी मां तजीन फातिमा की जमानत हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। इससे अब्दुल्ला को विधान सभा की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा।

6. हाईकोर्ट ने माफिया मुख्तार के बेटे व विधायक अब्बास अंसारी की गैंगस्टर मामले में जमानत खारिज कर दी।

7. कानपुर जाजमऊ आगजनी कांड में मिली सजा से सीसामऊ से विधायक रहे इरफान सोलंकी को जमानत मिल गई। लेकिन सजा बरकार है। इस कारण उनकी विधान सभा की सदस्यता खत्म हो गई। हालांकि, उपचुनाव पत्नी नसीम सोलंकी ने उनकी सीट पर जीत दर्ज की है।

8.भाजपा विधायक उदयभान करवरिया की समय पूर्व रिहाई के खिलाफ पूर्व विधायक जवाहर पड़ित की पत्नी सपा विधायक विजमा यादव ने हाईकोर्ट पहुंची। कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है।

9. जहरीली शराब मामले में आजमगढ़ के पूर्व सांसद रमाकांत यादव की जमानत खारिज हुयी।

10.संभल हिंसा में नामजद सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने एफआईआर को चुनौती दी है।

659 मुकदमों के निस्तारण के साथ इलाहाबाद की सत्र अदालत में 247 मुल्जिमों को सजा सुनाई गईं तो 412 बरी हुए। वहीं, अंडरवर्ल्ड डॉन से लेकर संत–महात्माओं के प्रकरणों पर हुई सुनवाई को लेकर जिला अदालत चर्चा में रही। हलांकि, आंकड़ों की माने तो सत्र अदालत ने 81 को उम्रकैद सुनाई। पॉक्सो मामले में 11 का 20–20 व 38 को 10–10 साल का कारावास दिया गया।

कल्पवासियों की कुटिया में आ बसी महंगाई, आस्था फिर भी उफान पर

प्रयागराज। महाकुंभ में कल्पवासियों से पहले महंगाई आ बसी है। इनकी जिस सामान्य कुटिया और रहन–सहन सुविधाओं के पांच हजार रुपये चुकाने पड़ते थे, इसके रेट सात हजार पहुंच चुके हैं। गोल वाला टेंट पहले सात–आठ हजार में मिल जाता था, अब 15 हजार का है। मगर, इस महंगाई के बहाने कोई शिगूफा पालने जा रहे हैं तो ठहरिए। कल्पवासियों की आस्था अब भी उफान पर है। वह कहते हैं, महंगाई चाहे जेतना बढ़ जाए, कल्पवास तौ करिबै करब। ई महाकुंभ है...बार–बार थोड़े न देख पाउब। कल्पवासियों के टेंट की व्यवस्था मेला प्रशासन नहीं करता। टेंट कुछ संस्थाएं बनाती हैं, जिन्हें मेला प्रशासन मामूली दर पर जमीन उपलब्ध कराता है। यहीं पर संस्थाएं अपने यजमानों के कैंप लगवाती हैं। नए यजमान को और ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। बावजूद इसके धर्मभीरू लोग इस ओर हर साल बढ़ते जाते हैं। प्रयागराज के कौड़िहार निवासी गोविंद प्रसाद बीते तीन साल से कल्पवास कर रहे हैं। हर साल लगभग 20 हजार रुपये में धार्मिक प्रयोजन निपट जाता था। इस बार 30 हजार से कम में न हो पाएगा। कारण? टेंट से लेकर जरूरत की सारी सुविधाओं के दाम 30 फीसद से ज्यादा बढ़ा दिए गए हैं। मगर, उनका उत्साह कम नहीं पड़ा। 10 जनवरी से वह यहां कल्पवास के लिए आने की तैयारी कर चुके हैं। प्रतापगढ़ के हीरागंज बसनी का पूरा निवासी कुसुमलता भी दो साल से संगम में कल्पवास कर रही हैं। वह बताती हैं कि इस बार महाकुंभ है न, इसलिए सब चीजें महंगी मिल रही हैं। वह भी अपना बजट बढ़ा चुकी हैं। नवाबगंज निवासी राकेश मिश्रा भी महंगाई के बावजूद उत्साहित हैं। कहते हैं, महाकुंभ में कल्पवास एक अलग अनुभव है। यह बार–बार थोड़े देखैं का मिली। तीर्थ पुरोहितों को सरकार से सुविधाएं नहीं मिलतीं। कल्पवासी तीर्थ पुरोहितों के ही शिविरों में प्रवास करते हैं। हमें जो टेंट ढाई हजार में मिलते थे, वह चार हजार रुपये के मिल रहे हैं। इसी कारण शिविर महंगे हो गए हैं।

प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या: पत्नी के रास्ते में रोड़ा बन रहा था भोला, रूपा और आशीष ने मफलर से घोंट दिया गला

प्रयागराज। प्रयागराज के बारा थाना क्षेत्र के पांडर कोटवारन के पूरा में बीते शनिवार को भोला कन्नौजिया (30) की हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि भोला को पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में पता चला तो दोनों ने मिलकर मफलर से गलाघोंट कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रूपा ने बताया कि पति भोला नशेड़ी था और आए दिन शराब के नशे में मारपीट करता था। इसी बीच पड़ोस के रहने वाले आशीष कन्नौजिया से उसके प्रेम संबंध हो गए। भोला को इसकी जानकारी हुई तो आए दिन घर में विवाद होने लगा। शनिवार को जब भोला शराब पीकर घर आया तो फिर से विवाद हुआ, जिसके बाद वह सो गया। इसके बाद पति को रास्ते से हटाने के लिए रूपा ने प्रेमी आशीष को कमरे में बुलाया और उसी के मफलर से गला कसकर भोला की हत्या कर दी। वहीं, वारदात को अंजाम देने के बाद प्रेमी मौके से फरार हो गया। घटना को छिपाने के लिए भोला के शव को जमीन पर लिटा दिया। वहीं, बारा थाना प्रभारी तुषार दत्त त्यागी ने बताया कि रूपा और उसके प्रेमी आशीष कन्नौजिया को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, इस घटना को लेकर गांव के लोग स्तब्ध हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भोला मेहनती और व्यवहार कुशल था। भोला के भाई व अन्य परिजनों ने कहा कि यह कभी सोचा ही नहीं था कि उसकी पत्नी इस हद तक पहुंच जाएगी। वहीं, भोला का तीन वर्षीय बेटा अभ्यास पिता की मृत्यु और मां के जेल जाने के बाद लगातार उनके बारे में पूछ रहा है। रो–रो कर कह रहा है कि उसे मम्मी–पापा के पास ले चलो।

बेटी की शादी की तरह महाकुंभ में करें सहयोग, दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी

प्रयागराज। घर की बेटी की शादी की तरह महाकुंभ में सभी सहयोग करें। इसे दिव्य और भव्य बनाने के साथ ही स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है। उत्तर प्रदेश के नग विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सोमवार को स्वच्छता अभियान के तहत आयोजित महाश्रमदान की शुरुआत करते हुए शहरवासियों से यह अपील की। उन्होंने दारागंज में कुनकुन श्रीशिवाला गली में अफसरों व सफाई मित्रों के साथ झाड़ू लगाई और सभी को स्वच्छता का संदेश दिया। सात दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम के छठवें दिन दशाश्वमेध घाट पर हुए आयोजन में नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि वह प्रयाग से 1980 से जुड़े हैं। वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन करने के लिए आए थे और तब से प्रयागराज को देखा। यहां कई कुंभ मेले में आए और शामिल हुए। कहा कि आने वाले वर्ष में होने वाला महाकुंभ अद्वितीय, दिव्य और भव्य होने वाला है। ऐसा महाकुंभ आजतक किसी ने नहीं देखा होगा। नगर विकास मंत्री कहा कि इस महाकुंभ को सुंदर, अलौकिक और अद्वितीय बनाने में इसमें सबसे बड़ी भूमिका सफाई मित्रों की है। उनके चरणों को मैं नमन करता हूं। अब इस महाकुंभ के जरिये आपके प्रयासों से दुनिया में प्रदेश और देश का का सिर ऊंचा होने वाला है। इसके साथ ही उन्होंने सफाई मित्रों को किट बांटी। इससे पहले नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने मंत्री और प्रमुख सचिव अमृत अभिजात पौधे लगे गमले भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद स्वच्छता पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस मौके पर महापौर गणेश केसरवानी, संयुक्त मिशन निदेशक जल निगम अमित सिंह, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव आदि मौजूद रहे। सफाई व्यवस्था में 3200 नए कर्मचारी भी शामिल मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि महाकुंभ में सफाई–व्यवस्था के लिए 3200 सफाई कर्मचारी नए आ गए हैं। कुल करीब नौ हजार कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। पूरे प्रदेश से अधिकारियों की टीम और मशीनरी डाइवर्ट करके भी प्रयागराज में लगाई गई हैं। जब 40–45 करोड़ लोग देश–दुनिया से आने वाले हों तो बाहर से भी लोगों को सहयोग के लिए भेजा गया है। मंत्री ने कहा कि अब अगर मैं कह रहा हूं कि सब काम हो चुका है तो फिर मेरे आने की आवश्यकता क्या थी। आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि जहां बड़े काम होते हैं, वहां उसके छोटे–छोटे दुष्परिणाम भी होते हैं। सड़क बनेगी तो बालू रखी होगी। बिल्डिंग बन रही होगी तो उसका मलबा पड़ा होगा। ऐसे में कुछ रुकावटें आती हैं और दैनिक सफाई की जरूरत पड़ती है। इसलिए यह सफाई महायज्ञ बहुत जरूरी था। अगर हम सफाई रखना चाहते हैं तो हमें उसकी आदत होनी चाहिए।

'स्वच्छता प्रयाग प्रीमियर लीग' में जीती अग्रसेन और नेशनल इंटर कॉलेज की टीम

– सात दिवसीय 'स्वच्छता महाकुम्भ' का छठा दिन, दो पालियों में हुआ क्रिकेट मैच
– अग्रसेन इंटर कश्वलेज और कैन्ट हाई स्कूल की टीम के बीच हुआ कड़ा मुकाबला
– 31 दिसम्बर से विजेता टीमों के बीच होगा मुकाबला

प्रयागराज, । नगर निगम रू नगर निगम, प्रयागराज की ओर से आयोजित सात दिवसीय 'स्वच्छता महाकुम्भ' के पांचवें दिन 30 दिसम्बर सोमवार को दो पालियों में क्रिकेट मैच हुआ । जमुना क्रिश्चियन कॉलेज में चल रहे 'स्वच्छता प्रयाग प्रीमियर लीग' में चार टीमों के बीच मुकाबला हुआ । नगर निगम की ओर से आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में शहर भर के स्कूलों की 18 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं । कॉलेज की टीम ने की पहले बल्लेबाजी पहली पाली में नेशनल इंटर कॉलेज और पंडित हनुमत दत्त दत्त त्रिपाठी इंटर कॉलेज के बीच मैच हुआ । नेशनल इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले

बल्लेबाजी का मौका पंडित हनुमत दत्त दत्त त्रिपाठी इंटर कॉलेज की टीम को दिया । मैदान पर उतरे पंडित हनुमत दत्त दत्त त्रिपाठी इंटर कॉलेज के खिलाड़ी कुछ कमाल न दिखा सके और पूरी टीम 7 ओवर 5 बॉल में 22 रन बनाकर सिमट गई । जवाब में उतरे नेशनल इंटर कॉलेज की टीम के ओपनर बल्लेबाज अंकुर ने 1 ओवर 3 बॉल में 25 रन बनाकर टीम को विजयी बनाया । वाईएमसीए ने 104 रनों से जीता मैच दूसरी पाली का अग्रसेन इंटर कॉलेज और कैंट हाई स्कूल के बीच हुआ। अग्रसेन इंटर कॉलेज की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का मौका कैंट हाई स्कूल की टीम को दिया ।

कैंट हाई स्कूल की टीम ने 8 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 55 रन बनाए । अग्रसेन इंटर कॉलेज के ओमप्रकाश ने शानदार बॉलिंग करते हुए 3 बॉल पर 3 विकेट लिए । जवाब में बैटिंग के लिए उतरे अग्रसेन इंटर कॉलेज के धुरंधरों ने 2 विकेट के नुकसान पर 60 रन बनाकर मैच जीत लिया। 31 दिसम्बर से अब तक की विजेता टीमों के बीच मुकाबला होगा ।

तीन नहीं, छह घंटे तक लिया जा सकेगा जनरल टिकट का रिफंड, मौनी अमावस्या पर चलेंगी 360 स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज । महाकुंभ के दौरान इस बार रेलवे एक विशेष व्यवस्था करने जा रहा है। महाकुंभ के मौके पर अगर कोई यात्री प्रयागराज के किसी भी स्टेशन से जनरल टिकट खरीदता है और किन्हीं कारणों से अगर उसे अपनी यात्रा निरस्त करनी है तो वह टिकट लेने के छह घंटे के अंदर उसका रिफंड ले सकेगा। अभी तक टिकट लेने के तीन घंटे के अंदर ही रिफंड लिए जाने की व्यवस्था है। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी का कहना है कि महाकुंभ के मौके पर यह व्यवस्था पहली बार लागू की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभागार में महाकुंभ–2025 को लेकर रेलवे द्वारा की जा रहीं तमाम तैयारियों के बारे में बताते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि इस बार 15 दिन पूर्व यात्री रिटर्न जनरल टिकट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। अभी तीन दिन पूर्व ही रिटर्न टिकट लिए जाने की सुविधा है। महाप्रबंधक ने डीआरएम हिमांशु बडोनी व उत्तर मध्य रेलवे के अन्य महत्वपूर्ण अफसरों की मौजूदगी में बताया कि महाकुंभ के दौरान एक करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने इस बार अभूतपूर्व तैयारी की है। 45 दिन में कुल 13,234 ट्रेनें संचालित करने की योजना है। इसमें 560 रिंग रेल सेवाएं भी शामिल हैं। मौनी अमावस्या के मौके पर होगा 360 स्पेशल ट्रेनों का संचालन महाप्रबंधक ने बताया कि महाकुंभ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मौके पर 360 स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने की योजना है। कहा कि सिर्फ अमावस्या के दिन ही 132 स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की योजना है। पर्व के एक दिन पूर्व और एक दिन बाद भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। मौनी अमावस्या पर्व पर 15 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। अगर संख्या बढ़ती है तो रेलवे द्वारा अतिरिक्त ट्रेनें बढ़ा दी जाएंगी। पिछले कुंभ में ट्रेन के माध्यम से सफर करने वाले यात्रियों में से 45–50 फीसदी ने प्रयागराज जंक्शन से सफर किया था। महाप्रबंधक ने बताया कि उसी हिसाब से महाकुंभ में प्रयागराज जंक्शन पर तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि 18 फीसदी यात्रियों ने प्रयाग, फाफामऊ और 12 फीसदी ने झूंसी और प्रयागराज रामबाग स्टेशन से और शेष 20 फीसदी यात्रियों ने शहर के अन्य स्टेशनों से सफर किया।

विश्वनाथ इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ । शहर समता महिला काव्य गोष्ठी विश्वनाथ इकाई (असम) में जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून के संजोजन एवं संचालन में और मनोरमा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मंच का शुभारंभ सैयदा आनुवारा खातून ने सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलिन कर मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और एक सुंदर सरस्वती वंदना के प्रस्तुति के साथ आज मंच का शुभारंभ किया। आज के काव्य मंज पर उपस्थित थे शहर समता अखबार के मुख्य सम्पादक उमेश श्रीवास्तव , मनोरमा श्रीवास्तव ,अनुगूंज साहित्य पीठश के राष्ट्रीय अध्यक्ष,वरिष्ठ साहित्यकार, गजलकार आदरणीय अरुण त्रिवेदी श्अनुगूजं साहित्य पीठ श्के संस्थापिका,वरिष्ठ लेखिका प्रवीणा त्रिवेदी वरिष्ठ साहित्यकार मेहेंदीं हसन ,वरिष्ठ गीतकार मनोहर मधुकर , देहरादून से वरिष्ठ गजलकार जनाब आलम मुसाफिर , उत्तर प्रदेश विजनौर से जनाब अल्ताफ फरीदी डिब्रुगड़ (असम)से उर्मीला ओझा , गुवाहाटी(असम) से लेखिका एवं शिक्षिका आभा कुमारी चौधरी विश्वनाथ चारिआली से शिक्षिका रुकसार पारवीन जी,और युवा लेखिका एवं शिक्षिका, हिंदी सेवी महिला काव्य मंच विश्वनाथ इकाई (असम) जिलाध्यक्षा सैयदा आनुवारा खातून उत्तर प्रदेश आजमगढ़ से युवा कवि रुद्र प्रताप चर्तुवेदी । सभी ने मंच पर सुंदर सुंदर गीत,गजल कविताओं से मंच पर चार चांद लगा दिए प्रवीण त्रिवेदी की ष्मुझे हाल दिल का खबर कीजिएगा , सकूं की सनम नजर कीजिएगा ..। रुद्र जी के ष्हमे ना समझाओ दुनिया का हर पहलु देखा है हमने .ष! अरुण के– श रूह से चिलमन उठाना देखना, ख्वाब यह मेरा पुराना देखना श...! उर्मीला के –मां शब्द ममता की ताज है , मां शब्दों में मान है...! रुकसार के श्मेरी दोस्त मुझे जान से प्यारी है ,मेरी दोस्त मुझे बहुत न्यारी है ..ष मनोरमा के– ष्शोक चुलबुली है मेरी गजल, खुशबुओं में पली है मेरी गजलष आलम के– उम्र भर बाप था कमाने में और बच्चे रहे गंवाने में!ष आभा जी के –ष्लोग गुस्ताखियों में बातें करते हैंष्जाकिर जी के– ष्कलि युग का खेल था मन में बड़ा मैल थाष आनुवारा के– ष्जागती आंखों बरसात करती रही रात मैं चांद से बात करती रही ष्अल्ताफ के –ष्चेहरा तेरा माना कि मुहें कामिल के तरह, हर जख्म मेरा तेरे दिल के तरह सैयदा आनोवारा खातून के संचालन एवं संजोजन में और मनोरमा श्रीवास्तव के अध्यक्षता में आज के काव्य गोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ । आज के अध्यक्षा मनोरमा ने सभी के कालामो पर सुंदर समीक्षाएं किए। आनोवारा खातून नेआज मंच पर उपस्थित सभी लेखक, लेखिका कवि, कवियत्री साहित्यकार,कलमकारों को धन्यवाद ज्ञापन किया। अंत मे अध्यक्षा मनोरमा ने सादर सम्मान सहित मंच भंग का धोषना किया ।

'शहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की दिसंबर माह 2024 की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न'

तिनसुकिया गोलाघाट सशहर समता विचार मंच तिनसुकिया गोलाघाट की दिसंबर महीने की महिला काव्य गोष्ठी अध्यक्ष आ. रंजना बिनानी की अध्यक्षता में आंनलाइन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई' । इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि अर्चना जायसवाल सरताज , विशिष्ट अतिथि राधा बिनानी रही। यह काव्य गोष्ठी प्रातः 11 बजे से ऑनलाइन रखी गई। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता रंजना बिनानी द्वारा की गई । मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना ,दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण रंजना बिनानी द्वारा किया गया काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन आ. सरला बजाज जी ने किया। मां सरस्वती की वंदना सीमा सिंघी जी द्वारा प्रस्तुत की गई।

इस काव्य गोष्ठी में ....

रंजना बिनानी, भगवती बिहानी, पूनम अग्रवाल, सीमा सिंघी द्वारा ष्2024 की खट्टी मीठी यादेंष विषय पर बहुत सुंदर सुंदर प्रस्तुतियां दी गई । सभी की रचनाएं एक से बढ़कर एक थी। प्रत्येक माह गोलाघाट असम शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का सफलतम आयोजन किया जाता है ,और सभी की उपस्थिति सराहनीय रहती है ..इस बार भी आप सब की उपस्थिति ने आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्षा रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

सम्पादकीय.....

साइबर क्राइम का शिकंजा

देश में साइबर अपराधों में लगातार आ रही तेजी सरकार और आम जनता की चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि सरकार के नियामक संगठन और खुफिया एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं लेकिन अपराधी अपराध के नये–नये तौर–तरीकों से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में लगे हैं। यद्यपि, यह संकट विश्वव्यापी है, लेकिन देश में डिजिटलीकरण के प्रयासों के बाद इन अपराधों में तेजी आई है। इंडियन साइबर क्राइम को–ऑर्डिनेशन सेंटर के इस माह के शुरुआत में आए आंकड़ों में बताया गया कि इस साल सितंबर तक देश में साइबर धोखाधड़ी से 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों में सर्वाधिक सवा दो लाख शिकायतें आईं और करीब साढ़े चार हजार करोड़ का नुकसान बताया गया। यह बताता है कि देश में साइबर अपराध का जाल कितना दायरा बढ़ा चुका है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश में नवंबर तक साइबर धोखाधड़ी की बारह लाख शिकायतें आईं, जिनमें से 45 फीसदी मामलों को म्यांमार, लाओस व कंबोडिया आदि से अंजाम दिया गया। इस तरह ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं में साइबर सेंधमारा का मकड़जाल लगातार उपभोक्ताओं की मुसीबतों का सबब बन रहा है। मोबाइल स्पाइवेयर भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं की आवश्यक गुप्त रूप से जानकारियां चुरा लेते हैं। जिसके सहारे वित्तीय फ्रॉड को अंजाम दिया जाता है। हाल के दिनों में साइबर अपराधों में नया तरीका डिजिटल अरेस्ट जुड़ गया है, जिसके जरिये देश की वित्तीय नियामक एजेंसियों व पुलिस के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साइबर हमलों के अलावा ऑनलाइन फ्रॉड और सेक्सटार्शन के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही डाटा चोरी, रैनसमवेयर, ऑनलाइन घृणा फैलाने, साइबर बुलिंग तथा नागरिक सेवाओं व अस्पतालों पर हमले के मामले सामने आते रहते हैं। इसमें शत्रु देशों की तरफ से देश की अर्थव्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी शामिल होती है। विडंबना यह है कि देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कड़ा कानून नहीं है। दूसरी ओर आईटी एक्ट में संशोधन कर लाए गए प्रावधान इन साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। साइबर अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए साइबर को–ऑर्डिनेशन सेंटर को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने की जरूरत है, जिसने पिछले दिनों दक्षिण पूर्व एशिया से सक्रिय साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल की थी। निस्संदेह, इस संकट के मुकाबले के लिये जहां सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है, वहीं नागरिकों को इन अपराधों से बचने के लिये जागरूक करने की जरूरत है। जिसमें केंद्र व राज्य स्तर पर साइबर नियंत्रक पुलिस बल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

भावनात्मक अतिरेक का शिकार बनता देश

डॉ. दीपक पाचपोर

हमेशा की तरह एक बड़ी कैमरा टीम प्रधानमंत्री के साथ रही होगी, जिसने अलग–अलग कोण से उनकी तस्वीरें ली होंगी। उन्होंने एक्स पर क्रिसमस की शुभकामनाओं का सन्देश भी प्रसारित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि श्प्रभु ईसा मसीह की शिक्षाएं सभी को शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाएं।

यूं तो कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब हमारे देश में धार्मिक विद्वेष और घृणा का कोई मामला सामने न आता हो। पूरे साल भर अल्पसंख्यकों – खास तौर से मुसलमानों के खिलाफ एक अभियान सा चलता रहता है लेकिन साल खत्म होते–होते नफरती जमात का रुख ईसाई समुदाय की तरफ हो जाता है। इस समुदाय के त्यौहार वैसे ही गिने–चुने होते हैं, फिर भी हर मुमकिन कोशिश की जाती है कि वह उन्हें शांति से न मना पाये। क्रिसमस के आसपास ऐसी कोशिशें बहुत खुलकर और तेज होती दिखाई देती हैं। हाल ही में पलक्कड़ में एक स्कूल में बच्चों को क्रिसमस मनाने से रोका गया और शिक्षकों के साथ बदसलूकी की गई। अहमदाबाद के एक स्कूल में क्रिसमस ट्री समेत त्योहार की सारी साज–सज्जा हटवा दी गई। आगरा में सांता क्लॉज मुर्दाबाद के नारे लगाये गये और उसका पुतला जलाया गया। गुजरात में सांता क्लॉज की पोशाक पहनकर लोगों को उपहार बांट रहे शख्स को यह कहकर पीटा गया कि यह हिन्दुओं का इलाका है, यहां ये सब नहीं चलेगा। इंदौर में एक डिलीवरी बॉय की सांता क्लॉज की पोशाक उतरवा ली गई। उससे कहा गया कि जब हिन्दू त्योहारों पर तुम किसी देवी–देवता जैसी पोशाक नहीं पहनते हो तो क्रिसमस पर क्यों। लखनऊ में भीड़ ने चर्च के सामने हरे रामा–हरे कृष्णा गाते हुए उछल–कूद की। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वे तमाम तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिनमें वे पादरियों के बीच खड़े हुए हैं या जीसस के शिशु प्रतिरूप के सामने सर नवा रहे हैं। जाहिर है कि ये तस्वीरें अपने आप नहीं आई होंगी। हमेशा की तरह एक बड़ी कैमरा टीम प्रधानमंत्री के साथ रही होगी, जिसने अलग–अलग कोण से उनकी तस्वीरें ली होंगी। उन्होंने एक्स पर क्रिसमस की शुभकामनाओं का सन्देश भी प्रसारित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि श्प्रभु ईसा मसीह की शिक्षाएं सभी को शांति और समृद्धि का मार्ग दिखाएं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि इस श्सभीश में धर्म के नाम पर बवाल खड़ा करने वाले उनके भक्त भी शामिल हैं या नहीं या फिर ये श्हाथी के दांतश वाला मामला है! जानकारों का मानना है कि पश्चिमी देशों को दिखाने के लिए ऐसे प्रपंच रचे जाते हैं। लेकिन पश्चिमी देश इतने मासूम तो नहीं कि इस दिखावे की हकीकत न समझते हों। अगर ऐसा होता तो वे अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट में भारत की आलोचना नहीं करते और न ही भारत को शर्मिन्दा होना पड़ता। ऐसी आलोचनाओं का जवाब देने की भी उसे जरूरत होती। जो देश लोकतंत्र की जननी और दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने जैसे दावे करता है, उस पर दुनिया की नजरें बनी ही रहती हैं। अभी–अभी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया डॉ. मोहन भागवत ने भी ये कहा कि श्हर मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश बंद होनी चाहिये।श काश, वे यह भी कहते कि दूसरे धर्मों के आराधना स्थलों और शिक्षा संस्थानों पर आये दिन किया जाने वाला हुड़दंग बंद होना चाहिये। हिंदुत्व के नाम पर उपद्रव करने वालों को ये अहसास नहीं है कि करोड़ों भारतीय – जिनमें ज़्यादातर हिन्दू ही हैं, पढ़ाई, रोजगार या फिर कारोबार के लिये विदेशों में रह रहे हैं, उन पर ऐसी बेजा हरकतों का क्या असर हो सकता है। बांग्लादेश का ताजा उदाहरण हमारे सामने है, जहां हिन्दुओं पर अत्याचार को लेकर काफी शोर मचाया गया, विरोध ा प्रदर्शन किया गया। इस सबके बावजूद मोदी सरकार चुप रही क्योंकि वह अपना नैतिक अधिकार खो चुकी है। बांग्लादेश में इस्कॉन पर हुए हमलों पर भी आक्रोश जताया गया, लेकिन इसी संस्था से जुड़े लोग अपने ही देश में चर्च के सामने बेहूदगी दिखा रहे हैं। क्या यह माना जाये कि बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, उसकी कुंठा भारत में इस तरह निकाली जा रही है? एक राष्ट्र और समाज के तौर पर दुनिया में हमारी छवि कैसी बन रही है, इस बात से बेपरवाह धर्म के ठेकेदार देश के भीतर गृह युद्ध की नौबत लाने पर उतारू हैं। हालांकि इस बार क्रिसमस पर कुछ मजेदार चीजें भी देखने को मिलीं जैसे जिंगल बेल...जिंगल बेल...को कहीं कव्वाली और कहीं पंजाबी रैप की शैली में गाया जाना, कहीं गायत्री मंत्र तो कहीं ओम जय जगदीश हरे की तर्ज पर जिंगल बेल गाकर सांता बने बच्चे की आरती उतारना। आर्टिफिशिअल इंटेलिजेंस के जरिये दुनिया की मशहूर हस्तियों को त्योहारी वेशभूषा में एक–दूसरे के साथ बैठे हुए बताना, या फिर भारत के नेताओं को अपनी भाषा,अपनी शैली में कैरोल गाते हुए दिखाना। इतना ही नहीं, भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप यानी लड्डू गोपाल का भी सांता क्लॉज जैसा श्रृंगार करना। गनीमत है कि इन चीजों से भावनाएं आहत होने की कोई खबर अब तक नहीं आई है। दरअसल, त्योहार होते ही इसलिए हैं कि इंसान अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ से कुछ राहत पाये, आनंद और उल्लास का अनुभव करे और खुशियां बांटे। ईद हो या बैसाखी, दीवाली हो या क्रिसमस – सारे त्योहार मिलजुल कर ही मनाने की हमारी रवायत रही है। लेकिन अब लगभग हर त्योहार पर सामूहिक मूर्खता और पागलपन के नजारे देखने को मिलते हैं। सरदार पटेल ने कहा था कि श्हिन्दू राज एक पागलपन से भरा खयाल है और ये हिन्दुस्तान की आत्मा को खत्म कर देगा। डॉ. अम्बेडकर ने भी धर्म आधारित राष्ट्र की मांग पर कहा था, कि श्अगर हिंदू राष्ट्र बन जाता है तो बेशक इस देश के लिए एक भारी खतरा उत्पन्न हो जायेगा। हिन्दू कुछ भी कहें, पर हिन्दुत्व स्वतंत्रता, बराबरी और भाईचारे के लिए एक खतरा है। वह लोकतंत्र के लिये अनुपयुक्त है। हिन्दू राज को हर कीमत पर रोका जाना चाहिये। पटेल और अम्बेडकर – दोनों के ये कथन आज सच होते नजर आ रहे हैं।

भरी गागर थे मनमोहन सिंह, छलकती तो अधजल गगरी है!

शकील अख्तर

मौन को अवगुण कमजोरी की तरह स्थापित किया और इसके सामने बड़बोलेपन को सबसे बड़े गुण की तरह पेश। लेकिन सब तूमार (फेब्रिकेशन) खत्म हो गया। इतना मीडिया, इतना पैसा, पूरी सत्तारुढ़ पार्टी, सरकार सब फेल हो गए। शांति से मौत के आगोश में गए मनमहोन सिंह आखिरी–आखिरी तक कुछ नहीं बोले। मगर उनके जाते ही लोग जिस तरह बोले, मीडिया के मुंह से अनायास सच निकला उसने बता दिया कि झूठा प्रचार कुछ नहीं होता है। किसी सच को हमेशा के लिए दबा कर नहीं रख सकता। काम, शराफत और विद्वता अपने आप बोलते हैं। और फिर झूठ, उपहास, बड़बोलापन उसके सामने बहुत बौने हो जाते हैं। मौन, कम बोलना, केवल आवश्यक बोलना, साधना, विद्वता से अर्जित सबसे विरल गुण होता है। उसे कमजोरी बताया। जो सबसे ताकतवर आन्तरिक शक्ति है उसका उपहास उड़ाया! एक उदाहरण देते हैं। राम का। रामचरित मानस, वाल्मिकी कृत रामायण कहीं ज्यादा बोलते हुए दिखे? कौन था सबसे बड़बोला? सबका उपहास उड़ाने वाला? किसी को कुछ नहीं समझने वाला? नाम बताएं क्या? रावण के अलावा और कौन? महाभारत में सबसे ज्यादा कौन बोलता है? दुर्योधन ही ना! कहीं अर्जुन ज्यादा बोलता दिखा? मगर गजब है हमारा मीडिया। भाजपा की तो ठीक है राजनीति है। और दूसरे की लकीर छोटी करने के अलावा उसके पास कुछ और है भी नहीं। दक्षिणपंथी विचार की यह मजबूरी है। नकारात्मकता से वह निकल ही नहीं पाती है। उसे तो चरित्रहनन करना था। गांधी, नेहरू, आंबेडकर से लेकर मनमोहन सिंह, सबका। मगर मीडिया, देश के दूसरे संस्थान, जनता, बुद्धिजीवी वर्ग सबको क्या हो गया था? 56 इंच की छाती, लाल आंखें करना, एक अकेला सब पर भारी की आत्मश्लाघा को गुण बता रहे थे! और अन्तर्मुखी स्वभाव, नर्म लहजा, शब्दों के उचित चयन को कमजोरी! क्या हुआ? सब भरभरा कर गिर गया। मनमोहन सिंह ने कुछ नहीं किया। 2014 से घर में बैठे थे। जब प्रधानमंत्री मोदी ने गिरती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए कोई मदद मांगी, बिना किसी को बताए, बिना प्रचार किए दी। इसके बावजूद दी कि उनके कुर्सी से हटते ही उनके घर सीबीआई पहुंचा दी थी। क्या हुआ? क्या मिला? गिरफ्तार करना था उन्हें। लेकिन मनमोहन सिंह पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कोई विद्वेष की भावना नहीं आई। यह बड़प्पन होता है। गुरुता। और इसलिए मीडिया का, भाजपा का, मोदी सरकार का, भक्तों का बांधा हुआ सारा तूमार एक मिनट में खत्म हो गया। मनमोहन सिंह के जाते ही उन्हें दिल से याद करने, आम भारतीयों की जिन्दगी बदलने, हाथ में पैसा देने, हर तरफ काम ही काम के मौके देने के किस्से आम–ओ–खास सबके मुंह से निकलने लगे। अंबानी–अडानी जो मोदी सरकार के खास हैं वे भी नहीं कह पाए कि मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था डुबो दी थी। बोलना था तो इतना ही बड़ा झूठ बोलना था। मीडिया संभाल लेता। मगर हिम्मत नहीं पड़ी। और उनकी क्या जिन प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें देहाती औरत, रेनकोट पहनकर नहाने वाला और यहां तक कि पाकिस्तान से मिलकर मनमोहन सिंह और कुछ कांग्रेसी नेता गुजरात में उनकी सरकार बदलना चाहते हैं जैसे आरोप लगाए उन्हें भी श्रद्धाजंलि देते हुए मनमोहन सिंह के लिए ईमानदार शब्द का उपयोग करना पड़ा। माहौल से बड़ा कोई नहीं होता। मनमोहन सिंह की मौत के बाद अचानक ऐसा माहौल बदला कि कोई उन शब्दों को नहीं बोल सका जो 2004 से जब से वे बने थे उनकी मृत्यु से कुछ समय पहले तक बोल रहे थे। यह सत्य की बहुत बड़ी विजय है। सबने देख लिया कि सच्चाई को हमेशा छुपाया नहीं जा सकता। पूरी दुनिया में तो मनमोहन सिंह को सम्मान मिलना ही था। वहां तो हमेशा से मिलता रहा। इसके बारे में इतना लिखा गया कि सबको मालूम है। यहां फिर से बताने की जरूरत नहीं। मगर यहां जैसा माहौल बदला वह बताना जरूरी है। हालांकि मोदी सरकार ने अपनी राजनीति करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ट्रोल आर्मी, नए भक्त, पुराने भक्त उसको जस्टिफाई करने में लग गए। मगर पहली बार है कि कोई कर नहीं पाया। जनता में सवाल चला गया कि निगम बोध घाट के सार्वजनिक श्मशान घाट पर पूर्व प्रधानमंत्री की अन्त्येष्टि क्यों? वैसे तो खुद ही करना था। केन्द्र सरकार का काम होता है। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम क्रिया का। लेकिन इस सरकार को जानते थे सब इसलिए मनमोहन सिंह के परिवार ने और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरकार से उनकी अन्त्येष्टि राजघाट क्षेत्र में जहां प्रधानमंत्रियों की समाधियां हैं वहां करने की मांग की थी। मगर सरकार ने निगम बोध ा घाट निर्धारित किया। वहां क्या हुआ। मनमोहन सिंह के शोक में डूबे परिवार के साथ धक्का मुक्की। पूरी तरह अव्यवस्था। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी देश के नाम संदेश देकर उनके कामों की सराहना कर रहे हैं दूसरी तरफ पूर्ण गरिमा के साथ उनके अन्तिम संस्कार की व्यवस्था भी नहीं। अभी भी उनकी लकीर छोटी करने की कोशिश। क्या हो पाएगी? मनमोहन सिंह के एपिसोड ने बता दिया कि जनता का जीवन बदलने और उसे 5 किलो अनाज में फंसाए रखकर वैसे ही गरीबी में और यह भी मिलना खत्म न हो जाए के डर में जिन्दा रखने में बहुत फर्क होता है। मनरेगा दिया। जहां काम के बदले पैसे मिलते थे। गांवों की जिन्दगी बदल गई थी। रोजगार और उसका मुआवजा। यह मुफ्त का अनाज तो देश की श्रम शक्ति को नकारा बना रहा है। मुफ्त अनाज का मतलब है नौकरी नहीं देना। दूसरे किसी रोजगार की व्यवस्था नहीं करना। दस साल पहले देश में काम की कमी नहीं थी। भारत के हर युवा के पास काम था। वह छोटे कम्प्यूटर के कोर्स करके और दूसरे तकनीकी काम सीखकर विदेश जा रहे थे। पढ़े–लिखे प्रोफेशनल तो नेहरू के समय से अमेरिका, यूरोप और इंग्लैंड जाने लगे थे। मगर 2004 के बाद इन देशों सहित खाड़ी देशों में भारत की वर्क फोर्स की मांग बहुत बढ़ गई थी। अभी जब प्रधानमंत्री मोदी कुवैत में थे तो इसी वर्क फोर्स का जिक्र कर रहे थे कि हमारे पास है। मगर यह नहीं बता रहे थे कि पहले की तैयार की हुई। उनके शासन काल में कोई नए काम करने वाले प्रशिक्षित युवा तैयार नहीं हुए। मनमोहन सिंह की सबसे बड़ी ताकत क्या है? यह कि उनके बारे में बताने में, उनके काम गिनाने की जरूरत नहीं। सब जनता को मालूम है। क्यों? क्योंकि उन कामों ने उसकी जिन्दगी बदली। नया मध्यम वर्ग बना। यह बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक निर्माण की क्रान्ति देखते हैं। रहने के लिए मकान, मॉल, बाजारों का विस्तार यह सब उसी समय का है। लोगों के पास पैसा आ रहा था वह खर्च कर रहे थे। आज मॉल, बाजार क्या पहले की तरह गुलजार हैं? लोगों को अपने आप समझ में आ रहा है। और यही उस मौन की सबसे बड़ी ताकत थी। थोथा चना बाजे घना! गांव–गांव की जानी पहचानी कहावत है। मगर अर्थ अचानक खुलते हैं और आज वह खुल गए। भरी गगरी क्यों छलकेगी? भरी गागर थे मनमोहन सिंह। कभी–कभी मौत फैसला करती है। बड़ी शान से गए। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कहां ले जाकर चिता बनाई। उनका स्थान देश के करोड़ों–करोड़ों लोगों के दिल में और मजबूत हो गया।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

बेलगावी कांग्रेस कार्यसमिति बैठक से मिले राजनीति में नयी लहर के संकेत

डॉ. ज्ञान पाठक

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कर्नाटक के बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) बैठक के दूसरे दिन होने वाले महाधिवेशन – जय गांधी, जय भीम, जय संविधान – को स्थगित कर दिया, और इसके बजाय, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर शोक सभा आयोजित की। लेकिन सीडब्ल्यूसी और पार्टी के नेता भारत के संविधान की रक्षा के लिए आंदोलन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध दिखे, जो देश में कांग्रेस की राजनीति में नयी लहर का संकेत है। मूल कार्यक्रम के अनुसार, कांग्रेस को 27 दिसंबर को विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक (26–27 दिसंबर) के दो दिवसीय समापन पर बेलगावी में एक रैली के साथ श्जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियानश्च शुरू करना था। यह आंदोलन 2025 के गणतंत्र दिवस पर मऊ में एक रैली के साथ समाप्त होने वाला था, जो संविधान के लागू होने और भारत गणराज्य की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ का उपलक्ष्य होगा। फिर भी, कांग्रेस सत्ता में बैठे लोगों द्वारा भारत के संविधान को कथित खतरों के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी, जैसा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने संकेत दिया है। पार्टी के कार्यकर्ता इस महीने के दौरान न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि देश भर के हर राज्य, जिले और ब्लॉक स्तर पर रैलियां और मार्च आयोजित करेंगे। बेलगावी बैठक का आयोजन 2024 में आयोजित बेलगावी कांग्रेस अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया था, जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, और तब महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस की ऐतिहासिक अध्यक्षता की गयी थी। यह संविधान सभा द्वारा संविधान को 26 नवम्बर 1949 को आत्मार्पित करने की 75वीं वर्षगांठ भी थी। चूंकि 26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान लागू हुआ था, 2025 के गणतंत्र दिवस पर भारत गणतंत्र के 75वें वर्ष में प्रवेश करेगा, जिसके अवसर पर कांग्रेस ने संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नामक एक व्यापक राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू करने का फैसला किया है, जो वर्ष भर 26 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह पदयात्रा गांव–गांव, कस्बे–कस्बे में रिले के रूप में होगी, जिसका विवरण जल्द ही घोषित किया जाएगा। अप्रैल 2025 के पहले पखवाड़े में गुजरात में होने वाला अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी)अधिवेशन न केवल पार्टी के लिए बल्कि पूरे देश की राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटना होगी, क्योंकि कांग्रेस वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल है, साथ ही विपक्षी इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व भी कर रही है। यह ध्यान देने योग्य है कि इंडिया ब्लॉक अभी भीतर से कुछ तनाव से गुजर रहा है। कुछ नेताओं ने अपना विचार व्यक्त किया है कि भारत ब्लॉक का नेतृत्व कांग्रेस से ममता बनर्जी को स्थानांतरित किया जाना चाहिए, और आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया ब्लॉक से कांग्रेस को बाहर करने की मांग भी की है। कांग्रेस के दिल्ली के चुनाव में उभरने के संकेत इसके कारण हो सकते हैं। हालांकि, चीजें फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेंगी। इस बीच, कांग्रेस गांधी और अंबेडकर की विरासत को श्सत्ता में बैठे लोगोंश्च, अर्थात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और आरएसएस–भाजपा परिवार से कथित खतरे के खिलाफ अपना अभियान तेज करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अंबेडकर पर हाल ही में संसद में की गयी टिप्पणी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को शाह और केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू करने का मौका दे दिया है। कांग्रेस ने अंबेडकर, महात्मा गांधी और भारत के संविधान की पवित्रता को बचाने, संरक्षित और बढ़ावा देने की कसम खाई है। उधर भाजपा ने भी इन्हीं मुद्दों पर कांग्रेस का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति बनाई है। इसलिए देश में आने वाले 13 महीने राजनीतिक रूप से संवेदनशील होंगे क्योंकि गांधी, अंबेडकर और भारत के संविधान के मुद्दे पर कांग्रेस–भाजपा की राजनीतिक कुश्ती पिछले एक दशक की सांप्रदायिक राजनीति से काफी अलग होगी। संविधान, अंबेडकर और गांधी पर लगातार जोर देने से देश के मतदाताओं के दिमाग पर असर पड़ सकता है, जो धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय के पक्ष में हिंदुत्व की राजनीतिक भावनाओं की ताकत को कमजोर कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह एक नये दौर की राजनीति की शुरुआत होगी। विस्तारित सीडब्ल्यूसी बैठक में कुछ अन्य विशेषताएं भी ध्यान देने योग्य हैं। सीडब्ल्यूसी ने संसद में अमित शाह द्वारा डॉ. अंबेडकर का अपमान करने को संविधान को कमजोर करने की आरएसएस–भाजपा की दशकों पुरानी परियोजना करार दिया। सीडब्ल्यूसी ने केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे और राष्ट्र से माफी मांगने की मांग दोहराई। सीडब्ल्यूसी ने लोकतंत्र के ह्रास को भी उजागर किया। इसने कहा कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया जैसी संस्थाओं का कार्यकारी दबाव के माध्यम से राजनीतिकरण किया गया है। साथ ही कहा कि संविधान के संघीय ढांचे पर हमला जारी है, और हाल ही में सरकार के श्एक राष्ट्र, एक चुनाक्य विधेयक से इसका ताजा उदाहरण है। सीडब्ल्यूसी ने चुनाव संचालन नियम 1961 में केंद्र के संशोधन की निंदा की, जो पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों को कमजोर करता है। संशोधन को पहले ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है। कांग्रेस नेताओं ने हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा कुछ गलत किए जाने का संदेह जताया है, जिससे कथित तौर पर चुनावी प्रक्रिया की अखंडता नष्ट हो रही है। कांग्रेस को हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों में चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा है और पार्टी इस सदमे से बाहर आने की पूरी कोशिश कर रही है। कांग्रेस कार्यसमिति के ताजा रुख और कांग्रेस नेतृत्व के बयानों से साफ पता चलता है कि उन्हें इस सदमे से उबरना होगा और कम से कम अगले 13 महीनों तक सत्ताधारी प्रतिष्ठान के खिलाफ एक गहन आंदोलन शुरू करना होगा। सीडब्ल्यूसी ने सांप्रदायिक और जातीय घृणा में राज्य प्रायोजित वृद्धि को उजागर किया, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ। इसने मणिपुर हिंसा का जिक्र किया और प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की उदासीनता पर जोर दिया। सांप्रदायिक तनाव और पूजा स्थल अधिनियम 1991 के प्रावधानों के उल्लंघन का भी जिक्र किया गया। सीडब्ल्यूसी की एक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील मांग सामाजिक–आर्थिक जाति जनगणना और आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने की है। आर्थिक मोर्चे पर, सीडब्ल्यूसी ने आगामी केंद्रीय बजट में देश के मध्यम वर्ग और गरीबों को राहत देने की मांग की। कांग्रेस ने उद्योग, व्यापार और वाणिज्य पर कर आतंकवाद को समाप्त करने की भी मांग की। कृषि और ग्रामीण रोजगार की घोर उपेक्षा के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की गयी। जिस तरह से कांग्रेस कार्यसमिति ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कांग्रेस के राजनीतिक भाग्य पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित किया, वह 2025 में सघन आंदोलन और संपर्क कार्यक्रम चलाने की उनकी दृढ़ इच्छा का संकेत है, जिसमें कांग्रेस संगठन को ऊपर से नीचे तक पुनर्जीवित करने की क्षमता है।

सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के सेट पर घायल हुई

तेजस्वी प्रकाश

सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को दी जानकारी

टेलीविजन अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश अपने आगामी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने प्रशंसकों को इसकी जानकारी दी। अभिनेत्री ने रविवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक फोटो पोस्ट की जिसमें उनके हाथ पर जले का निशान है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "द शो मस्ट गो ऑन।"उल्लेखनीय है कि तेजस्वी शो नागिन 6 में अपने सफल प्रदर्शन के बाद थोड़े समय बाद टेलीविजन पर वापसी की तैयारी कर रही हैं। अभिनेत्री अपने शो स्वरागिनी जोड़ें रिश्तों के सुर में अपनी भूमिका के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। साल 2021 में उन्होंने रियलिटी शो बिग बॉस 15 में हिस्सा लिया और विजेता के रूप में उभरीं। उन्होंने मन कस्तूरी रे के साथ मराठी फिल्म में डेब्यू किया था। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ लाफ्टर शेफ्स की तरह ही एक कुकिंग–आधारित रियलिटी शो है। इस शो में तेजस्वी के साथ दीपिका कक्कड़ इब्राहिम, गौरव खन्ना, निक्की तंबोली, राजीव अदातिया और कई अन्य लोकप्रिय हस्तियां शामिल होंगी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर शो के प्रोमो पहले ही जारी कर दिए हैं। कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान को कुकिंग–बेस्ड रियलिटी शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के होस्ट के रूप में शामिल किया गया है। फराह ने व्यंजनों के साथ प्रयोग करने और नए व्यंजन खोजने के अपने जुनून का खुलासा किया। शो के बारे में बात करते हुए फराह ने कहा, मैं हमेशा से खाने की शौकीन रही हूं। मुझे व्यंजनों के साथ प्रयोग करना, नए व्यंजन तलाशना और उसमें अपना खुद का ट्विस्ट जोड़ना पसंद है। मैंने अपना खुद का डिजिटल कुकिंग चौनल शुरू करके खाने के प्रति अपने प्यार को दर्शाया है। जब मुझसे सेलिब्रिटी मास्टरशेफ होस्ट करने के लिए संपर्क किया गया, तो मैंने इस अवसर को तुरंत स्वीकार कर लिया। मुझे न केवल यह फॉर्मेट पसंद है, बल्कि मुझे हमारे शानदार शेफ जज, प्रतिभाशाली रणवीर बरार और विकास खन्ना के साथ दोस्ती करने का भी सौभाग्य मिला है। उन्होंने आगे बताया, जब मास्टरशेफ पहली बार भारत आया था, तब मैं इसका हिस्सा थी। मैं इस सीजन में शामिल होने वाले अधिकांश अविश्वसनीय सेलिब्रिटी लाइनअप से अच्छी तरह परिचित हूं, इसलिए होस्ट के रूप में यह एक रोमांचक सफर होने वाला है। शो सेलिब्रिटी मास्टरशेफ जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

अब करणवीर पर लीगल एक्शन नहीं लेंगी सारा, कहा– अगर उन्हें तमीज होती तो दो बार....

बिग बॉस 18 दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। हाल ही में सारा अरफीन खान बिग बॉस के घर से बेघर हो चुकी है। सारा जब बिग बॉस में थीं तो करणवीर मेहरा के साथ काफी झगड़े हुए। इसके बाद उन्होंने लीगल एक्शन लेने की बात तक कह दी थी। शो से निकालने के बाद उन्हें अहसास हुआ कि यह गेम का पार्ट था और वह किसी की जिंदगी खराब नहीं करेंगी।

सलमान खान का सबसे कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस 18 को लगभग 3 महीना हो चुका है, दर्शकों को शो काफी पसंद आ रहा है। दरअसल, इस शो के 3 महीने बाद सभी कॉन्टेस्ट्स खुलकर गेम खेल रहे है। दरअसल, सिलेब्रिटी कोच अरफीन खान की पत्नी सारा अरफीन बीबी हाउस में लंबा समय बीतने के बाद घर से बेघर हो चुकी है। वैसे तो सारा मेंटल कोच की पत्नी हैं फिर भी शो में उन्हें बार–बार आपा खोते देखा गया। वह घर के अंदर करीब 3 महीने रही है। बिग बॉस 18 के घर से बेघर होते ही इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अविनाश मिश्रा और करणवीर मेहरा के साथ झगड़े और धक्का–मुक्की पर बात रखीं।

ये मेरा गेम प्लान था– सारा अरफीन

सारा शो में बार–बार हिंसक हुईं है। बिग बॉस के घर में उन्हें पागल और साइकोपैथ कहा गया है। इंडियन एक्सप्रेस के इंटरव्यू में सारा ने बताया कि, श्मैं कभी फिजिकल फाइट नहीं करती, मैं अग्रेसिव हो जाती हूं, यह शो ऐसा ही है कि आपा खोना नॉर्मल है। लोग ड्रामा देखना चाहते हैं, उन्हें प्यार दिखाने से कोई फायदा नहीं होगा। अगर मैं स्पाइसी प्लेवर डाल सकती हूं तो इसमें गलत क्या है? अपनी बाउंड्रीज बचाने के लिए ये मेरा गेमप्लान था। चुम दरंग और करणवीर मेहरा ने मेरे साथ फिजिकल वॉइलेंस की उसकी वजह से मेरी पीठ पर खरोंचें आईं लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। उन लोगों ने मुझे पागल और साइकोपैथ कहा कि लेकिन किसी ने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया। मुझे जनता ने टारगेट कियाश।

मेंटल कोच भी इंसान है

सारा ने यह भी बताया कि कैसे बहस के दौरान उनके पेशे को हमेशा शो में घसीटा जाता था, उन्होंने बताया, "उन्होंने हर बार माइंड–कोच कार्ड का इस्तेमाल किया, यह पहले से तय था। उन्हें इस बात से डर लगता था कि हम माइंड कोच हैं इसलिए उन्होंने हमें निशाना बनाना शुरू कर दिया। अविनाश ने हमारे पेशे को लेकर कई बार हमें नीचा दिखाया है, वह वही था जिसने एक नैरेटिव सेट किया और बाद में करणवीर ने इसका इस्तेमाल किया। लेकिन हम भी इंसान हैं, कौन कहता है कि हम भावनात्मक रूप से पिघल नहीं सकते? मैं अपना आपा खो देती, लेकिन फिर वापस आ जाती, लेकिन जब मैं अपनी सीमा तय कर रही थी तो मुझे पागल क्यों समझा गया? कम से कम मैंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया, आपको लगता है, मुझे करणवीर से डर लग गया था जब उसने मुझे धक्का दिया, मैं उसे गलत जगह पर एक मुक्का मार सकती थी और वह खत्म हो जाता, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे दर्शकों से बहुत सारे नफरत भरे संदेश मिले हैं, फिर भी मैं यहां मजबूती से खड़ी हूं।"

लीगल एक्शन नहीं लेगी

बिग बॉस 18 के एक टास्क के दौरान करणवीर और सारा के बीच झगड़ा हुआ था। उस समय सारा ने कहा था कि वह करणवीर के खिलाफ लीगल एक्शन लेंगी। जब इंटरव्यू में उनसे पूछा गया है कि वह ऐसा करेंगी? इस पर सारा बोलीं, श्नहीं, मैं लीगल एक्शन नहीं लूंगी। क्योंकि, उन्हें बाद में अहसास हुआ कि यह गेम शो था। इसको लेकर मैं किसी की लाइफ खराब नहीं करना चाहती। माइंड कोच लोग ऐसा ही करते हैं। यदि करणवीर को इतनी समझ होती कि एक औरत से कैसे बात करनी है या बर्ताव करना है तो उनका दो बार तलाक ही ना होताश।

सिद्धार्थ शुक्ला को आज भी बेइंतहा प्यार करती हैं शहनाज गिल, मास्टर माइंड रीडर ने पढ़ ली एक्ट्रेस के दिल की बात

एक वक्त बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला के प्यार के खूब चर्चे थे, लेकिन साल 2021 में अचानक सिड के निधन से उनकी खूबसूरत प्रेम कहानी खत्म हो गई। भले ही अब एक्टर इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह शहनाज की यादों से जुदा नहीं है। एक्ट्रेस अक्सर सिद्धार्थ को याद करती नजर आती है और अक्सर उन्हें याद कर इमोशनल हो जाती हैं। अब हाल ही में सोशल मीडिया पर शहनाज का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह दिवंगत सिद्धार्थ को इमेजिन करती नजर आती है। इस वीडियो को देख उनके फैंस भी भावुक हो रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि शहनाज गिल को एक माइंड रीडर किसी ऐसे शख्स को इमेजिन करने के लिए कहती हैं जिसे उन्होंने प्यार किया है, प्यार करती हैं और प्यार करती रहेंगी और जिसका वह बहुत सम्मान करती हैं। माइंड रीडर फिर उसे बताती है कि उसके दिमाग में जो नाम है वह" से शुरू होता है। जब माइंड रीडर ने अंदाजा लगाया कि यह सिद्धार्थ शुक्ला हैं तो शहनाज हैरान हो जाती हैं। बाद में उनके चेहरे पर हल्की भावुकता भी देखने को मिलती। वह बताती हैं कि उन्होंने बिलकुल सही अंदाजा लगाया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल ने किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों में देखा गया था।

एनिमल लवर अभिनेत्री जया भट्टाचार्य ने बताया कैसे करती हैं बेजुबानों की मदद

टीवी जगत की सफल अभिनेत्री जया भट्टाचार्य बेजुबानों से खासा लगाव रखती हैं। अभिनेत्री पशु प्रेमी हैं और अक्सर उनकी सेवा करती नजर आती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में इंसानी क्रूरता का शिकार हुए दो महीने के पिल्ले (कुत्ते के बच्चे) की जान बचाई। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया कि वह जानवरों की सेवा कैसे करती हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने पशु क्रूरता के मामलों में न्याय को लेकर भी बात की। अभिनेत्री ने बताया, "एक पशु कार्यकर्ता होने के अलावा मैं पशु प्रेमी हूं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं सभी जीवित प्राणियों, मानव और पशु दोनों के प्रति दया रखने वाली इंसान हूं। हम विपत्ति के समय दूसरों को अकेला नहीं छोड़ सकते। इसके बजाय, हमें मदद का हाथ बढ़ाना चाहिए। यही हमेशा से नजरिया रहा है और हम इस पर कायम रहेंगे।" अपने प्रयासों के बारे में अभिनेत्री ने बताया, हम न केवल जानवरों की मदद करते हैं, बल्कि जरूरतमंद इंसानों की भी सहायता करते हैं। चाहे वह स्वास्थ्य सुविधाएं हो या भोजन और आश्रय के लिए फाइनेंशियल मदद, हम इन क्षेत्रों में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं और ऐसा करना जारी रखेंगे। जानवर भी इंसानों की तरह ही भावनाओं का अनुभव करते हैं। उनकी अपनी भाषा होती है, जिसे हम इंसान पूरी तरह से नहीं समझ पाते, लेकिन वे अपने तरीके से संवाद कर सकते हैं और खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जानवर हमारी भावनाओं और कार्यों को समझते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप कुत्ते को प्यार दिखाते हैं, तो वह तुरंत स्नेह से जवाब देगा। उसे लगता है कि आपका कोई नुकसान करने का इरादा नहीं है और वह भी आपके भरोसे का बदला चुकाता है। जानवरों के प्रति क्रूरता से जुड़े कानून पर अभिनेत्री ने बताया कि पशु क्रूरता से जुड़े कानून पर्याप्त नहीं हैं और इसमें बदलाव की जरुरत है। उन्होंने बताया, "मौजूदा कानूनों में पूरी तरह बदलाव की जरूरत है। आज, कोई व्यक्ति किसी पिल्ले या बिल्ली को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन कौन जानता है कि कल वह क्या कर सकता है? यह व्यवहार एक गहरे मुद्दे को दर्शाता है जिसे सख्त कानून के साथ लागू करने की जरूरत है।" अभिनेत्री ने बताया कि जानवरों के प्रति क्रूरता के खिलाफ कानूनों का समर्थन करने के लिए नागरिक क्या कर सकते हैं, उन्होंने कहा, "सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, मजबूत कानून बनाए जाने चाहिए। दूसरा, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि जानवर का भी घर होता है। उन्हें भगाना, हटाना या फिर उन्हें दूसरी जगह भेजना अनुचित ही नहीं, अमानवीय भी है। ये जानवर अक्सर अपने आस–पास की सुरक्षा के लिए स्वतंत्र सुरक्षा गार्ड की तरह काम करते हैं। उनसे डरने या उन्हें हटाने के बजाय, लोगों को उन्हें खाना खिलाना चाहिए, उनकी देखभाल करनी चाहिए और दिखाना चाहिए कि वे दुश्मन नहीं हैं। अगर आप उनके साथ दयालुता से पेश आते हैं, तो वे आपको कभी नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।" बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने व्यक्तिगत अनुभव भी साझा किए, उन्होंने बताया, "जानवर प्यार की भाषा समझता है। एक बार मेरी बेटी जानवर के पास चली गई थी। जानवर ने उसे काटा नहींय इसके बजाय, वह स्नेह दिखाते हुए हाथ चाटता रहा। यह एक खूबसूरत पल था, जिसने मनुष्यों और जानवरों के बीच आपसी सम्मान और समझ के महत्व को रेखांकित किया। जानवर केवल उकसाए जाने पर ही जवाबी हमला करते हैं, इसलिए उन्हें उकसाना नहीं और उन्हें शांति से जीने देना बहुत जरूरी है।" अभिनेत्री ने आगे कहा, "मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगी कि जानवर कई मायनों में हमारे जैसे ही होते हैं। केवल भाषा ही वास्तविक अंतर है। इस अंतर को पाटने के लिए समझ और भावनाओं का होना ही काफी है।"

बच्चों के टिफिन में रखें चुकंदर से बनी ये 2 टेस्टी और हेल्दी रेसिपी, तुरंत होगा फिनिश

हर घर में मम्मियों की चिंता रहती है रोजाना सुबह उठकर बच्चों के लांच बॉक्स में क्या रखें। इसको लेकर वह काफी कंफ्यूज रहती है कि आखिर टिफिन बच्चों क्या बनाकर रखें, जो हेल्दी और टेस्टी हो। अब चिंता को छोड़िए, आप अपने बच्चे के टिफिन में चुकंदर से बनी ये दो रेसिपी जरुर रख सकते हैं। ये डिश हेल्दी होने के साथ ही काफी टेस्टी है आपके बच्चें इससे खाकर टिफिन को साफ कर देंगे। इसे बनाना भी काफी आसान है। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते है।

चुकंदर के अप्पे

सामग्री

–चुकंदर– 2 कद्दूकस किए हुए
–सूजी– 2 कप
–छाछ या खट्टा दही– आधा कप
–ईनो/बेकिंग सोडा–एक चुटकी
–नमक–स्वादानुसार
–तेल

इसे बनाने का तरीका

– इसके लिए आप पहले एक बाउल में सूजी, चुकंदर, नमक और खट्टा दही और छाछ लेना है।

– इन चीजों को अच्छे से मिला लें।

– अब इसमें थोड़ा–थोड़ा पानी डालकर स्मूद बेटर तैयार कर सकते हैं।

– इस मिश्रण को अब करीब 10–15 मिनट के लिए फर्मेंट होने के लिए रख दें।

– फिर आप इसमें ईनो या बेकिंग सोडा और हल्का पानी डालकर दुबारा मिक्स करें।

– अब आप इडली स्टैंड को गैस पर रखकर उसमें तेल लगाकर बेटर डालें और करीब 10 मिनट के लिए पका लें।

– और आपकी गरमा–गरम अप्पे तैयार है। इसे आप चटनी या सॉस के साथ सर्व कर सकते हैं।

बीटरुट चाट

सामग्री

–काबुली चना– 1 कटोरी (उबले हुए)
–लोबिया– 1 कटोरी (उबले हुए)
–चुकंदर– 2 (उबले छोटे टुकड़ों में कटे हुए)
–तेल– 1 टेबलस्पून
–राई– 1 टेबल स्पून
–नमक– स्वादानुसार
–चाट मसाला– आधा टेबल स्पून
–हल्दी– आधा टीस्पून
–प्याज– बारीक कटा हुआ
–अनार के दाने– आधा कटोरी
–हरा धनिया– बारीक कटा हुआ
–नींबू का रस– 1 टेबलस्पून

इसे बनाने का तरीका

– बीटरुट चाट बनाने के लिए आपको एक रात पहले काबुली चना और लोबिया को रात भर पानी में डालकर भिगो दें।

– फिर पानी को हटाकर कुकर में पानी और नमक डालकर इसे उबाल लें।

– इसके बाद एक बर्तन में चुकंदर को छीलकर उसको छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें।

– अब आप गैस पर एक पैन चढ़ाएं फिर इसमें तेल डालें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें राई को डाल दें।

– फिर उबले हुए छोले और लोबिया डालें साथ ही ऊपर से नमक, चाट मसाला और हल्दी डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

– अब इसमें चुकंदर डालकर दो–तीन मिनट के लिए भून लें।

– गैस बंद कर दें अब ऊपर से हरा धनिया, नींबू का रस, कटा हुआ प्याज और अनार दाने डालकर फिर मिक्स करें।

– यह आपकी चुकंदर चाट तैयार है। इसे आप टिफिन बॉक्स में सर्व करके रख दें।

पार्लर जाने की जरूरत नहीं, टिशू पेपर से साफ करें नाक के ब्लैकहेड्स

ब्लैकहेड्स एक आम त्वचा की समस्या है, खासकर नाक और चेहरे के दूसरे हिस्सों पर। यह तब होते हैं जब तेल, गंदगी और मृत कोशिकाएं पोर्स में जमा हो जाती हैं और वह हवा के संपर्क में आने पर काले रंग के हो जाते हैं। पार्लर में इनसे छुटकारा पाने के लिए हम स्किन ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन यह खर्चीला और कभी–कभी दर्दनाक भी हो सकता है। ऐसे में एक आसान और सस्ता तरीका है, जो टिशू पेपर से ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि कैसे आप घर पर बिना किसी दर्द और खर्च के इस नुस्खे को अपना सकते हैं।

टिशू पेपर से ब्लैकहेड्स हटाने का तरीका

स्टीम लेना सबसे पहले आपको अपनी त्वचा को स्टीम देना होगा। इसके लिए आप एक बर्तन में पानी उबालें और अपने चेहरे को उसकी भाप से 5–10 मिनट तक एक्सपोज करें। इससे आपके पोर्स खुल जाएंगे और ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाएगा।

टिशू पेपर का इस्तेमाल

अब एक टिशू पेपर को लें और उसे अच्छे से गीला कर लें। ध्यान रखें कि टिशू पेपर ज्यादा गीला न हो, बस उसे हल्का सा नम करें। इस गीले टिशू को अपने नाक के ऊपर रखें, जहां आपको ब्लैकहेड्स ज्यादा महसूस होते हैं। इसे थोड़ी देर तक इस जगह पर रखें, ताकि टिशू पेपर आपके त्वचा के साथ चिपक जाए।

दबाव डालना

अब धीरे से टिशू पेपर को नाक से हटाते हुए उसे ब्लैकहेड्स से बाहर खींचने का प्रयास करें। जैसे–जैसे टिशू पेपर हटेगा, आपकी त्वचा से ब्लैकहेड्स बाहर निकलने लगेंगे। यह तरीका न सिर्फ आसान है, बल्कि यह दर्द रहित भी होता है, जिससे पार्लर के महंगे और दर्दनाक तरीकों से आप बच सकते हैं।

चेहरे को धोना

टिशू पेपर हटाने के बाद चेहरे को हलके गर्म पानी से धो लें। अब आप ठंडे पानी से चेहरे को धो सकते हैं ताकि पोर्स बंद हो जाएं। इसके बाद एक अच्छा मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि आपकी त्वचा को नमी मिले और वह ताजगी महसूस करें।

फायदे

सस्ता और प्रभावी: यह तरीका पार्लर के मुकाबले बहुत सस्ता है। आपको सिर्फ टिशू पेपर और पानी की जरूरत है।

दर्द रहित: पार्लर में ब्लैकहेड्स निकालने के दौरान जो दर्द होता है, वह इस नुस्खे से नहीं होगा।

त्वचा को नुकसान नहीं: पार्लर के उग्र तरीके आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन यह तरीका बिल्कुल सुरक्षित है।

स्मूद और ग्लोइंग स्किन: नियमित रूप से इस नुस्खे का पालन करने से आपकी त्वचा साफ, स्मूद और ग्लोइंग बन सकती है।

ध्यान रखें

1. यदि आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो इस उपाय को ज्यादा न करें।

2. इस नुस्खे को हफ्ते में 1–2 बार ही अपनाएं।

3. अगर समस्या गंभीर हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

इस आसान और सस्ते नुस्खे से आप घर पर ही ब्लैकहेड्स को आसानी से हटा सकते हैं और पार्लर का खर्च बचा सकते हैं।

क्या होगा अगर 14 दिन तक चीनी को अलविदा कह देंगे? आएंगे ये चौंकाने वाले बदलाव

हमारी रोज की आदतों में चीनी का सेवन बहुत सामान्य बात बन चुका है। चाय, कॉफी, मिठाइयां और जंक फूड में चीनी की मात्रा इतनी अधिक होती है कि हम अनजाने में ही इसका बहुत ज्यादा सेवन कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप 14 दिन के लिए चीनी को अपनी डाइट से हटा दें, तो आपके शरीर में कितने बदलाव आ सकते हैं? आइए जानते हैं कि 14 दिन तक चीनी छोड़ने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ेगा।

वजन में कमी

चीनी छोड़ने से सबसे पहले जो बदलाव देखने को मिलता है, वह है वजन में कमी। चीनी में कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है और इसे खाने से शरीर में फैट जमा होता है। जब आप चीनी छोड़ते हैं, तो आपकी कुल कैलोरी इनटेक कम हो जाती है, जिससे वजन घटने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। 14 दिन में आप हल्का महसूस कर सकते हैं और वजन में 1–2 किलो तक की कमी आ सकती है।

ब्लड शुगर लेवल में सुधार

चीनी का अधिक सेवन रक्त में शुगर की मात्रा को बढ़ा सकता है, जो डायबिटीज का कारण बन सकता है। 14 दिन तक चीनी छोड़ने से आपका ब्लड शुगर लेवल संतुलित होता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बेहतर होती है। इस दौरान, शरीर अधिक प्रभावी तरीके से शुगर को ऊर्जा में बदलता है, जिससे ऊर्जा स्तर स्थिर रहता है।

त्वचा में सुधार

चीनी का अत्यधिक सेवन आपके शरीर में सूजन का कारण बन सकता है, जो त्वचा पर मुंहासे, झुर्रियां और दूसरे त्वचा संबंधी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। जब आप चीनी छोड़ते हैं, तो त्वचा को अतिरिक्त सूजन और बिमारियों से राहत मिलती है। 14 दिन के बाद आपकी त्वचा पर ग्लो और ताजगी नजर आ सकती है।

ऊर्जा स्तर में बढ़ोतरी

चीनी से तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन यह ऊर्जा ज्यादा देर तक नहीं टिकती। चीनी खाने के बाद शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ती है और फिर तेजी से गिरती है, जिससे थकान महसूस होती है। 14 दिन तक चीनी छोड़ने से शरीर को ऊर्जा का स्थिर स्रोत मिलता है, जैसे कि स्वस्थ कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन। इससे आपका ऊर्जा स्तर बेहतर होता है और दिनभर ताजगी महसूस होती है।

बेहतर पाचन

चीनी के अधिक सेवन से पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है, जिससे कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जब आप चीनी छोड़ते हैं, तो आपका पाचन तंत्र बेहतर काम करता है। शरीर को प्राकृतिक पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है और पेट की समस्याएं कम होती हैं।

मूड स्विंग्स में कमी

चीनी का अधिक सेवन मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल सकता है। इससे मस्तिष्क में डोपामाइन (जो खुशी का एहसास कराता है) का स्तर बढ़ता है, लेकिन इसका प्रभाव अस्थायी होता है। चीनी छोड़ने से शरीर में इस अस्थायी खुशी का स्तर घटता है और मानसिक स्थिति में संतुलन आता है, जिससे मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ेपन में कमी आती है।

दिल के स्वास्थ्य में सुधार

चीनी का अत्यधिक सेवन दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। शोध बताते हैं कि ज्यादा चीनी खाने से रक्तचाप बढ़ सकता है और ट्राइग्लिसराइड्स भी बढ़ सकते हैं, जो हृदय रोगों का जोखिम बढ़ा सकते हैं। 14 दिन तक चीनी छोड़ने से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर में सुधार हो सकता है, जिससे दिल का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

बेहतर नींद

चीनी खाने से आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ सकता है, जिससे नींद की गुणवत्ता पर असर पड़ता है। जब आप चीनी छोड़ते हैं, तो शरीर का ऊर्जा स्तर बेहतर रहता है और नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। आपको रातभर अच्छी नींद मिल सकती है, जिससे दिनभर ताजगी महसूस होगी।

स्ट्रेस और चिंता में कमी

अत्यधिक चीनी से तनाव और चिंता जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। 14 दिन तक चीनी से दूर रहने से शरीर में कोर्टिसोल का स्तर घटता है, जिससे मानसिक स्थिति में सुधार होता है और तनाव कम होता है। 14 दिन तक चीनी छोड़ने से शरीर और मानसिक स्वास्थ्य में कई सकारात्मक बदलाव हो सकते हैं। वजन घटने, ऊर्जा स्तर बढ़ने, त्वचा में सुधार, और मानसिक स्थिति में स्थिरता जैसे लाभ इसके प्रमुख उदाहरण हैं। हालांकि, अगर आप चीनी को पूरी तरह से नहीं छोड़ सकते, तो कम से कम इसका सेवन कम करने का प्रयास करें। इस बदलाव से आपकी सेहत को बड़ा फायदा हो सकता है।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है 'परियों का देश'

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर–शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ–साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना: उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को श्परियों का देशश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह : यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला: आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर–शराबा पसंद नहीं है।

संक्षिप्त

अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ अमित सिंह पद से हटेंगे, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार की कमान संभालेंगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एजीईएल) ने कहा कि उसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह अपने पद से हटेंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। अदाणी समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ आशीष खन्ना अगले साल एक अप्रैल से अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ का कार्यभार संभालेंगे। बयान के अनुसार, ''एजीईएल के वर्तमान सीईओ अमित सिंह 31 मार्च, 2025 से कंपनी के सीईओ के रूप में अपने पद से हट जाएंगे और अदाणी समूह के अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारोबार के सीईओ का पदभार संभालेंगे।'' एजीईएल ने कहा कि यह कदम अदाणी समूह में नियमित आंतरिक नेतृत्व बदलाव की योजना के अनुरूप है। समूह और कंपनी के उद्देश्यों के अनुरूप सतत विकास और लगातार विकसित होने वाले नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए यह बदलाव किया गया है। खन्ना के पास भारत और विदेश दोनों में नवीकरणीय ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, परियोजना प्रबंधन और अनुबंध प्रबंधन के क्षेत्रों में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अमित सिंह को ऊर्जा उद्योग का रणनीतिकार माना जाता है। वह एसएलबी (पूर्व में श्लम्बरगर) में काम करने के व्यापक वैश्विक अनुभव के साथ हरित ऊर्जा की दिशा में बदलाव के क्षेत्र में अच्छा–खासा अनुभव रखते हैं।

रेवंत रेड्डी ने सत्य नडेला से मुलाकात की, आईटी तंत्र विकसित करने को समर्थन मांगा

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला से यहां अपने आवास पर मुलाकात की। इस दौरान रेड्डी ने एक मजबूत आईटी तंत्र विकसित करने के लिए नडेला से समर्थन मांगा, ताकि हैदराबाद को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया का अग्रणी शहर बनाया जा सके। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने शहर

और राज्य में माइक्रोसॉफ्ट के नियमित निवेश और विकास के लिए नडेला को धन्यवाद दिया। इस दौरान रेड्डी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी श्रीधर बाबू ने एआई, जनरल एआई और क्लाउड जैसी विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की, जिन पर तेलंगाना ध्यान केंद्रित कर रहा है और माइक्रोसॉफ्ट से समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री ने राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अपनी योजनाओं के बारे में भी बताया। नडेला ने कौशल बढ़ाने और बुनियादी ढांचे को अगले स्तर तक सुधारने के मुख्यमंत्री के नजरिये की सराहना की और कहा कि इनकी मदद से हैदराबाद दुनिया के शीर्ष 50 शहरों में शामिल हो सकता है।

भारत का आगामी वर्षो में केला निर्यात को एक अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य : एपीडा

नयी दिल्ली,एजेंसी। समुद्री मार्ग से नीदरलैंड जैसे देशों को ताजे केले की सफलतापूर्वक परीक्षण खेप का निर्यात करने के बाद भारत अब रूस को इस फल का निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य बना रहा है। सोमवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। भारत ने आने वाले वर्षों में एक अरब डॉलर के केला निर्यात का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में, भारत से केले सहित अधिकांश फलों का निर्यात कम मात्रा और अलग–अलग पकने की अवधि के कारण हवाई मार्ग से हो रहा है। निर्यात का आकार बढ़ाने के लिए भारत केले, आम, अनार और कटहल जैसे ताजस फलों और सब्जियों

के लिए समुद्री प्रोटोकॉल विकसित कर रहा है। ताकि समुद्री मार्गों के माध्यम से उनके निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अन्य अंशधारकों के साथ मिलकर केले के लिए ये प्रोटोकॉल विकसित किए हैं। एपीडा वाणिज्य मंत्रालय का एक अंग है। एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा, ''हम केले का निर्यात बढ़ाने के लिए रूस को लक्ष्य बना रहे हैं। हम रूस में क्रेता–विक्रेता बैठकों में भाग लेने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2023–24 में 30 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया। 2022–23 में यह निर्यात 17.6 करोड़ डॉलर का हुआ था। केले का एक प्रमुख उत्पादक भारत वैश्विक केला निर्यात बाजार में अपनी उपस्थिति लगातार बढ़ा रहा है। वैश्विक केला निर्यात में देश की हिस्सेदारी वर्ष 2013 के मात्र 0.21 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 1.74 प्रतिशत हो गई है। सरकार किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और बाजार पहुंच को सुविधाजनक बनाने सहित विभिन्न योजनाओं और पहल के माध्यम से केले की खेती और निर्यात को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। घरेलू किसान भी आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपना रहे हैं, जिससे केले का उत्पादन बढ़ा है और उनकी गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

इस साल नहीं चला विराट कोहली का बल्ला, सभी प्रारूप मिलाकर जड़ा सिर्फ एक शतक: औसत भी रहा खराब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला इस साल उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका और उनके बल्ले से 2024 में सभी प्रारूप मिलाकर सिर्फ एक शतक निकला। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भी सफल नहीं रहे हैं और पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी को छोड़ दिया जाए तो उन्होंने रन बनाने के लिए संघर्ष किया है। कोहली के लगातार विफल होने से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या भारतीय टीम का यह पूर्व कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय के बाद टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह देगा। हालांकि, टीम के पूर्व मुख्य कोच और कोहली के साथ लंबे समय तक काम कर चुके रवि शास्त्री का मानना है कि कोहली अभी तीन–चार साल और खेल सकते हैं। शास्त्री इस बात से भी परेशान नहीं है कि कोहली किस तरह से आउट हो रहे हैं।

अच्छी लय को बरकरार नहीं रख सके कोहली

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में शतक के साथ की थी। कोहली का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर रहा है, ऐसे में सभी को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोहली पर्थ टेस्ट में शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए थे और उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा था। कोहली इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके और अगले तीन मैचों में रन बनाने में विफल रहे। पर्थ टेस्ट में शतक के बावजूद कोहली के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और उन्होंने सीरीज में अब तक 5, नाबाद 100, 7, 11, 3, 36 और 5 रन की पारियां खेली हैं।

इस साल तीनों प्रारूपों में कोहली का प्रदर्शन

तीनों प्रारूप मिलाकर कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 2024 में कुल 32 पारियां खेली और 21.83 के औसत से 655 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकला। कोहली ने इस साल कुल 10 टेस्ट मैच खेले और 19 पारियों में 24.52 के औसत से 417 रन बनाए। इस साल टेस्ट में उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला और उनका निजी सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन रहा। कोहली ने इस साल सिर्फ तीन वनडे मैच खेले, लेकिन इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। कोहली ने तीन मैचों में 19.33 के औसत से कुल 58 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान उनके बल्ले से एक भी छक्का नहीं निकला, जबकि उन्होंने आठ चौके लगाए। कोहली ने इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में अर्धशतक लगाया था और टीम की जीत में भूमिका निभाई थी। ओवरऑल कोहली ने 2024 में कुल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 18 की औसत से कुल 180 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.20 का रहा है, जबकि सिर्फ एक बार 50+ स्कोर बना सके।

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने यशस्वी, सहवाग को पीछे छोड़ा

मेलबर्न, एजेंसी। भारतीय टीम भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में 1–2 से पिछड़ गई है, लेकिन टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। यशस्वी का बल्ला इस साल टेस्ट में जमकर बोला और उन्होंने कुल 1478 रन बनाए। इस तरह वह

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। भारतीय टीम को सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में 184 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन यशस्वी ने इस टेस्ट में शानदार पारी खेली थी। यशस्वी ने बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में 82 रन बनाए थे और वह दूसरी पारी में भी अपना जलवा बिखेरने में सफल रहे। यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का 10वां अर्धशतक जड़ा। इतना ही नहीं, यशस्वी ने ऋषभ पंत के साथ 88 रन की साझेदारी की थी, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई और उसे हार का सामना करना पड़ा। यशस्वी की शानदार पारी का अंत पैट कमिंस ने किया था, लेकिन उनके आउट होने पर विवाद खड़ा हो गयाथाहै। कमिंस की लेग साइड पर शॉर्ट पिच गेंद को यशस्वी ने फाइन लेग पर खेलने की कोशिश की। वह चूके और गेंद विकेटकीपर कैरी के हाथों में गई। मैदानी अंपायर ने यशस्वी को आउट नहीं दिया जिसके बाद कमिंस ने डीआरएस लेने का फैसला किया। रिप्ले में स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि गेंद यशस्वी के बल्ले का किनारा लेकर गई है या नहीं। इसके बाद स्निको मीटर से जांचा गया, लेकिन स्निको मीटर में कोई हरकत नहीं दिखी। इसके बावजूद थर्ड अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला पलट दिया और यशस्वी को आउट करार दिया। इससे वहां मौजूद सभी लोग चौंक गए और कमेंट्री बॉक्स में मौजूद दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सवाल खड़े किए। यशस्वी 84 रन बनाकर आउट हुए थे।

सचिन–गावस्कर के क्लब में शामिल

यशस्वी अपनी इस शानदार पारी के दम पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के क्लब में शामिल हो गए हैं। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं, गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर अब यशस्वी आ गए हैं जिन्होंने इस साल टेस्ट में 1478 रन बनाए। भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने 2008 में 1462 रन और 2010 में 1422 रन बनाए थे। सचिन–कोहली की सूची में शामिल हुए थे यशस्वी यशस्वी सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की विशेष सूची में शामिल हो गए थे।

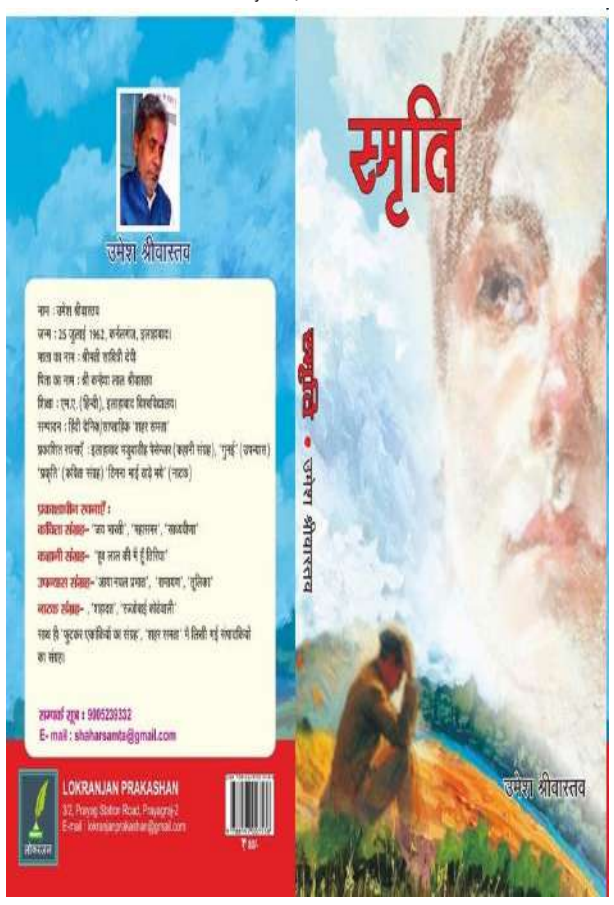

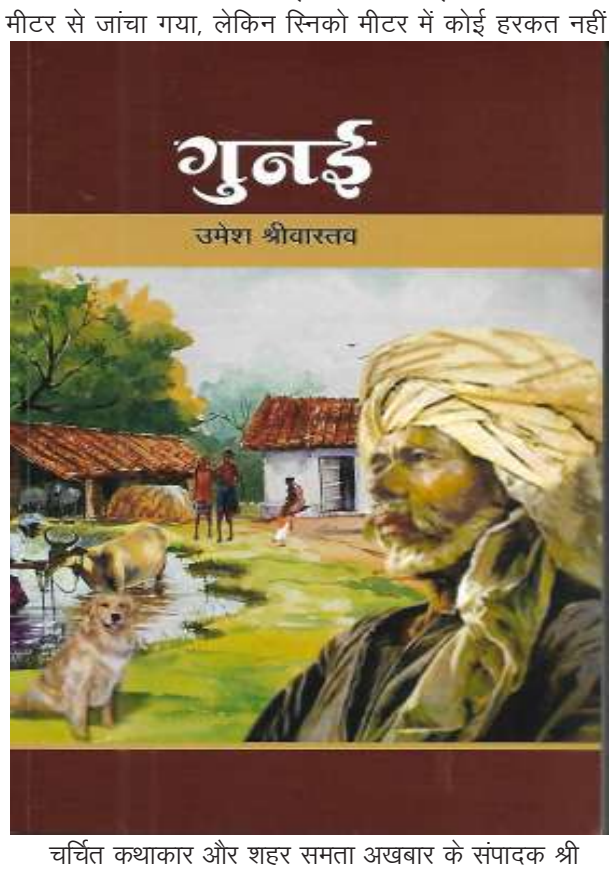

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

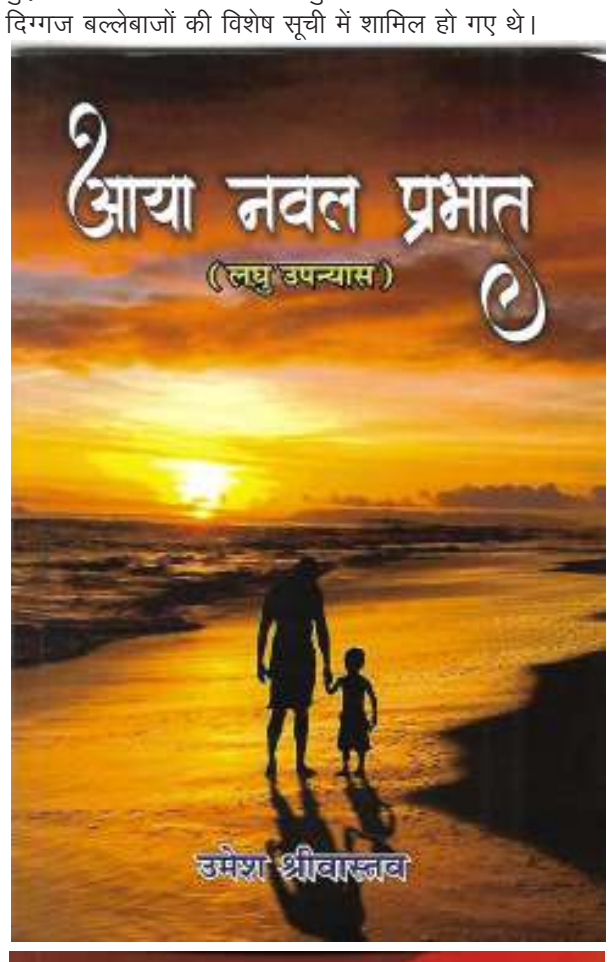

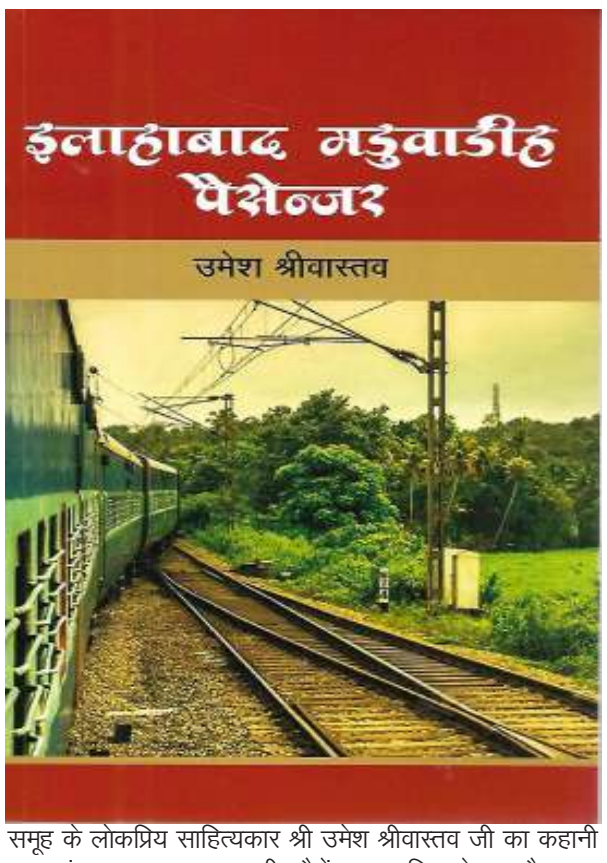

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

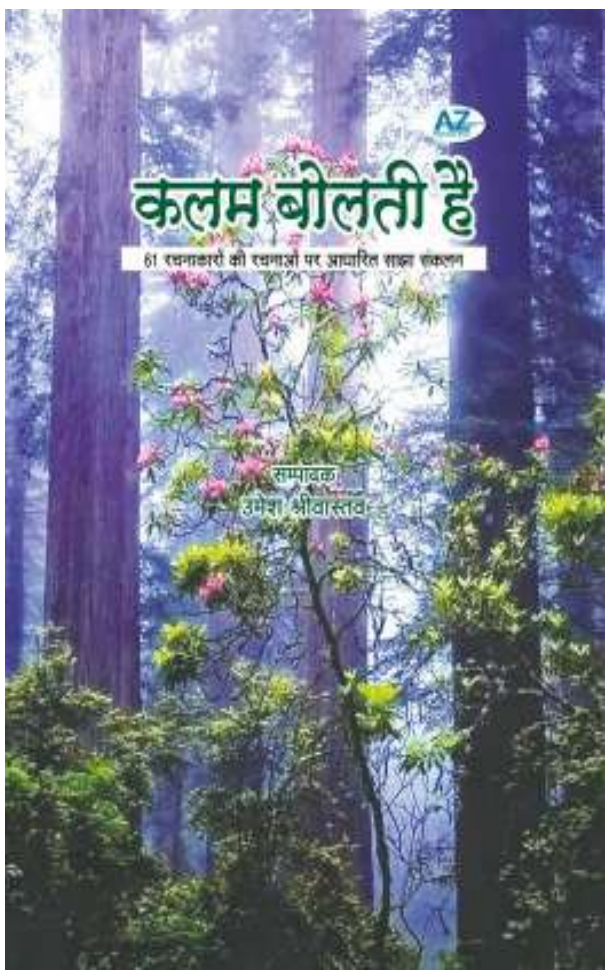

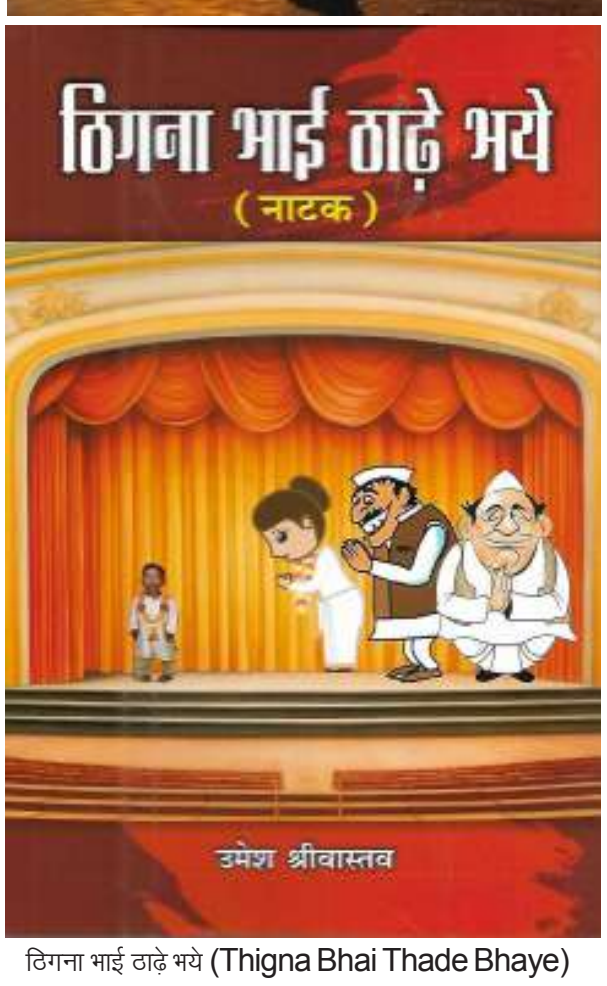

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अदालत ने ट्रंप के खिलाफ यौन शोषण के मामले में 50 लाख डॉलर हर्जाने का आदेश बरकरार रखा

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अपीली अदालत ने दीवानी मामले में जूरी के निष्कर्ष को बरकरार रखा कि नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1996 में डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में एक स्तंभकार का यौन शोषण किया था। द्वितीय अमेरिकी सर्किट अपीली अदालत ने फैसले में स्तंभकार ई. जीन कैरोल के मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहटन के जूरी द्वारा ट्रंप पर लगाए गए 50 लाख अमेरिकी डॉलर के

हर्जाने को बरकरार रखा। पत्रिका की स्तंभकार कैरोल ने 2023 के एक मुकदमे में गवाही दी थी कि 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था, जब वे खेल–खेल में स्टोर के ड्रेसिंग रूम में घुस गए थे। ट्रंप ने बार–बार इस बात से इनकार किया कि इस तरह की कोई घटना हुई, लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में एक मुकदमे में संक्षिप्त गवाही दी, जिसके परिणामस्वरूप 8.33 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हर्जाने का आदेश दिया गया। दूसरा मुकदमा ट्रंप द्वारा 2019 में की गई टिप्पणियों के परिणामस्वरूप हुआ, जब कैरोल ने पहली बार एक संस्मरण में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे।

राजनीतिक मतभेद सुलझाने के लिए पाकिस्तान सरकार एवं इमरान खान की पाटह्व के बीच होगी बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार और विपक्षी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के वार्ताकार राजनीतिक मतभेदों को सुलझाने के लिए बृहस्पतिवार को बंद कमरे में महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। यह बैठक नेशनल असेंबली के स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुलाई है। दैनिक समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने बताया कि बैठक सुबह 11 बजे संसद भवन में होगी और इसमें 23 दिसंबर को शुरू हुई वार्ता को आगे बढ़ाए जाने की संभावना है। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा स्थापित पीटीआई आंतरिक विचार–विमर्श के बाद आगामी सत्र के दौरान लिखित रूप में दो प्रमुख मांगें पेश करने की तैयारी कर रही है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

तालीबान छोड़िए बलूचों के हमले से पाकिस्तान को लगा डर, लग गया ग्वादर एयरपोर्ट पर ताला!

जिस देश का घर जल रहा हो वो भला दूसरे के घरों को कैसे रौशनी दे सकता है। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति इसी कहावत को चरितार्थ करती नजर आती है। एक तरफ बलूचिस्तान की जनता आजादी और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही तो दूसरी तरफ पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि बचाने की कोशिशें नाकाम हो रही हैं। पाकिस्तान इन दिनों अपने राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और आतंरिक विद्रोह से पूरी तरह से घिर चुका है। बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन तेज हो रहे हैं। सीपैक प्रोजेक्ट फंसते जा रहे हैं। ग्वादर इंटरनेशन एयरपोर्ट का उद्घाटन सुरक्षा कारणों की वजह से टलता जा रहा है। ग्वादर इंटरनेशन एयरपोर्ट पूरी तरह चीन द्वारा वित्त पोषित है और ये सीपैक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। ये एयरपोर्ट 50 मिलियन की लागत से तैयार किया गया है। लेकिन इसका उद्घाटन तीन बार स्थगित किया जा चुका है। अब खबर है कि पाकिस्तान सरकार ने 1 जनवरी 2025 को होने वाले उद्घाटन को फिर से टाल दिया है। दरअसल, पाकिस्तान इन दिनों अपनी राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और आंतरिक विद्रोह से पूरी तरह से घिर चुका है। बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन तेज हो रहे हैं। सीपैक प्रोजेक्ट फंसते जा रहे हैं। ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन सुरक्षा खतरों के कारण टलता जा रहा है। ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट जो पूरी तरह चीन द्वारा वित्त पोषित है। सीपैक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये एयरपोर्ट 50 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया है, लेकिन इसका उद्घाटन तीन बार स्थगित किया जा चुका है। ताजा खबर है कि पाकिस्तान सरकार ने 1 जनवरी 2025 को होने वाले उद्घाटन को फिर से टाल दिया है।

दरअसल, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए जैसे अलगाववादी संगठन लगातार इस एयरपोर्ट और अन्य सीपैक प्रोजेक्ट पर हमले कर रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी का मानना है कि ये प्रोजेक्ट बलूच जनता के संसाधनों का शोषण कर रहे हैं और इसका फायदा केवल चीन और पाकिस्तान को हो रहा है। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है जो देश के कुल क्षेत्रफल का 45 प्रतिशत है। यहां प्रचूर मात्रा में गैस, तेल, कोयला, तांबा और सोना जैसे प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं।

इन ब के बावजूद ये पाकिस्तान का सबसे पिछड़ा इलाका है। बलूचिस्तान की जनता लंबे समय से अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की मांग कर रही है। ब्लूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे संगठन इस संघर्ष को आगे बढ़ा रहे हैं और चीन के सभी प्रोजेक्ट को निशाना बना रहे हैं। साल 2016 में स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने अपने भाषण में बलूचिस्तान का जिक्र किया था। ये पहली बार था जब पीएम ने खुलकर बलूचिस्तान के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरा था। आज भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघनों को उजागर कर रहा। बलूच अलगाववादी नेता और प्रवासी भारत के समर्थन के लिए प्रयासरत हैं। जहां तक बात सीपैक यानी चीन पाक इकोनॉमिक कॉरिडोर की है तो ये चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआई का हिस्सा है। पाकिस्तान की अस्थिरता ने चीन के इनवेस्टमेंट को खतरे में डाल दिया। पिछले कुछ सालों में करीब 60 चीनी नागरिक मारे जा चुके हैं।

तालिबान ने पाकिस्तान का कर दिया इजरायली इलाज

अफगानिस्तान का तालिबान बेकाबू हो चुका है। तालिबान ने इस बार इजरायल वाले तरीके से पाकिस्तान का इलाज कर दिया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि तालिबानी लड़ाके पाकिस्तान पर हथियारों से तो हमले कर ही रहे हैं। लेकिन इन तालिबानी लड़ाकों ने इजरायल की तरह अपने दुश्मनों को मनोवैज्ञानिक तौर पर तोड़ना सीख लिया है। जिस तरह इजरायल गाजा, लेबनान और सीरिया में हमला करने के बाद बकायदा वीडियो जारी करके ये दिखाता है कि हमने आतंकियों का भूत कैसे उतारा है। ठीक उसी तरह से तालिबान भी पहली बार पाकिस्तान पर हमले करके उनके वीडियो जारी कर रहा है। तालिबान के लड़ाके इजरायली सेना की तरह सोशल मीडिया का इस्तेमाल जमकर कर रहे हैं। तालिबान वीडियो जारी करके पाकिस्तान की आर्मी, पाकिस्तान की सरकार और पाकिस्तान की जनता को मनोवैज्ञानिक रूप से तोड़ रहा है। तालिबान के लड़ाके वीडियो जारी करके पाकिस्तानी जनता को ये भी बता रहे हैं कि उन्होंने कितने पाकिस्तानी सैनिकों को मार दिया है। पाकिस्तान की सेना कभी नहीं बताती कि तालिबानी हमले में उसके कितने सैनिक मारे गए हैं। कॉमिनिकेशन वॉर के दौर में दुश्मन को तोड़ने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सभी का इस्तेमाल किया जाता है। इजरायल भी अपने दुश्मनों को इसी तरह से तड़पाता है। पाक के एयरस्ट्राइक के जवाब में पाकिस्तान के अंदर कई स्थानों पर हमले किये। तालिबान के रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि उसकी सेनाओं ने पाकिस्तान के उन स्थानों को निशाना बनाया, जिन्हें अफगानिस्तान पर हमलों की योजना और समन्वय से जुड़े तत्वों एवं उनके समर्थकों के लिए ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। पाकिस्तान के अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक के बाद तालिबान बुरी तरह से बौखलाया हुआ है। जिस तरह से तालिबानियों ने पाकिस्तान पर पलटवार किया है। मानो वो पाकिस्तान को जंग के लिए ललकार रहा है। तालिबान के नेता खुले तौर पर पाकिस्तान को एक के बाद एक धमकी दिए जा रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।